दैनिक
सच कहने का साहस
चम्बल नवराष्ट्र
शुभ दीपावली
web portal : cnnews.co.in | Email : guptavineet087@gmail.com | Share Events & News 8889307028
वर्ष -6 अंक-321 | भोपाल, गुरुवार 31 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ -8 मूल्य-2.00

भोपाल में सीएम मोहन यादव ने मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के 5 दिवसीय राज्योत्सव की शुरुआत की

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के 69वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 5 दिवसीय राज्योत्सव का उद्घाटन किया। यह भव्य समारोह लाल परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया, जहां मुख्यमंत्री ने आर्मी के टैंक अर्जुन में उतरकर उसकी जानकारी ली।उन्होंने आर्टिलरी गन और आधुनिक तकनीक के रोबोटिक उपकरणों को भी देखा, जो भारतीय सेना की ताकत और क्षमताओं को दर्शाते हैं।

1 नवंबर को मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस मनाया जाएगा, और इस विशेष अवसर पर सीएम यादव ने कहा, यह सुखद संयोग है कि एक तरफ दीपोत्सव और दूसरी ओर राज्योत्सव चल रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि हम दीपोत्सव के दौरान 69वां राज्योत्सव मना रहे हैं।लाल परेड ग्राउंड में मध्यप्रदेश गान के दौरान सीएम और अन्य नेता खड़े रहे। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था, खासकर इसलिए कि करीब 9 महीने पहले, जब सीएम ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा परीक्षा-2019-2020 में चयनित 559 अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया था, तब उन्होंने मध्यप्रदेश गान के दौरान खड़े होने की परंपरा को बंद कर दिया था।

इस परंपरा की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी, जिन्होंने मध्य प्रदेश गान के दौरान राष्ट्रगान की तरह खड़े होकर सम्मान देने का नियम स्थापित किया था।

राज्योत्सव का यह आयोजन न केवल प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है, बल्कि यह प्रदेश की विकास यात्रा और उपलब्धियों को भी उजागर करता है। सीएम यादव के नेतृत्व में यह उत्सव मध्यप्रदेश के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और साथ ही, प्रदेश की एकता और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य प्रदेश की अनूठी पहचान और गौरव- धर्म, संस्कृति और विरासत की भूमि

मध्य प्रदेश, भारतीय उपमहाद्वीप के हृदय में स्थित, अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। यह प्रदेश बुंदेलखंड, बघेलखंड, निमाड़, मालवा और महाकौशल जैसे क्षेत्रों में विभाजित है, जो इसे विविधता और समृद्धि से भरपूर बनाते हैं। धर्म, आध्यात्म और ज्ञान की त्रिवेणी विंध्याचल और सतपुड़ा की धरती पर बसी हुई है, जिससे मध्यप्रदेश अपने गौरव के साथ इठलाता है।

यहां की धरती पर भगवान राम ने 11 वर्षों का वनवास बिताया, जो इस क्षेत्र की धार्मिक महत्ता को दर्शाता है। मध्यप्रदेश को देश की फूड बास्केट कहा जाता है, क्योंकि यहां सभी प्रकार के अन्नों का उत्पादन होता है। सोयाबीन, जिसे प्रदेश का गौरव माना जाता है, कृषि में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हीरा प्रदेश है, बाघ का प्रदेश है और अब चीता स्टेट के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। इन उपमाओं से मध्यप्रदेश की पहचान और भी मजबूत होती है।

भारत की मर्यादाएं और राष्ट्रीय एकता

भारत का सांस्कृतिक आधार सदैव मर्यादा का ध्यान रखता है। यह देश किसी का हक नहीं मारता और न ही किसी की जमीन पर कब्जा करता है। विश्व में भारत एक ऐसा देश है जिसने सदैव अपनी इन मर्यादाओं का पालन किया है। भारतीय सेनाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अपनी दक्षता साबित की है, जो राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जियो और जीने दो के मूल भाव को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया, जिससे भारत का मान और सम्मान बढ़ा है।

भगवान राम की मुस्कान

अयोध्या में दो हजार साल पहले सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विराट मंदिर की नींव को आताताईयों ने ध्वस्त कर दिया था। 500 वर्षों के धैर्य और संघर्ष के बाद, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से और प्रधानमंत्री की उपस्थिति में, भगवान राम अब मुस्कुरा रहे हैं। यह घटना न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, जो दर्शाती है कि धैर्य और संघर्ष का फल मीठा होता है।

28 लाख दीपों से जगमगाए सरयू घाट, लेजर-ड्रोन शो से चमक उठी अवधपुरी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या दिवाली से एक दिन पहले दीयों से जगमग हो गई। सरयू नदी के 55 घाटों पर 28 लाख दीये जलाए गए। इसके साथ ही नया रिकॉर्ड बन गया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड टीम ने भी इसकी घोषणा की। पिछले साल 22 लाख दीये जलाए गए थे। सीएम योगी ने राम मंदिर में पहला दीप जलाकर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। 1600 अर्चकों ने सरयू आरती की।

इससे पहले, भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के साथ पुष्पक विमान से पहुंचे। योगी ने उनका स्वागत किया। भगवान रथ पर सवार हुए। योगी ने राम रथ खींचा। प्रभु राम को रामकथा पार्क लाया गया। यहां योगी ने राम की आरती उतारी और राज तिलक किया। भगवान राम के स्वागत में जगह-जगह कलाकार नृत्य करते नजर आए। रामायण के प्रसंगों पर आधारित झांकियां सड़कों पर निकाली गईं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला दीपोत्सव है। इसमें करीब 3 लाख लोग शामिल हुए। इनमें करीब 2 लाख लोग पहली बार अयोध्या आए हैं।

सीएम योगी ने कहा- ये दीप जो आपके द्वारा जलाए जाएंगे, वो केवल दीप नहीं हैं, ये सनातन धर्म का विश्वास है। अयोध्यावासियों को आगे आना होगा। अयोध्या जैसी मथुरा-काशी दिखनी चाहिए। सनातन धर्म ने कभी किसी का अहित नहीं किया, सबको गले से लगाया। जो भी मानवता के मार्ग में बैरियर बनेगा, उसकी वही दुर्गति होनी है, जो यूपी के माफियाओं की हुई।

राजेश्वरी बोलीं इस बार दीपावली की सारी कमाई हमारे घर पहुँचेगी

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। दीपोत्सव के उपलक्ष में सजे शहर के बाजारों एवं ग्रामीण हाट बाजारों में फुटपाथ व रेहड़ी-पटरी पर दुकान लगाकर छोटे-छोटे व्यवसाय कर रहे लोगों के चेहरों पर इस बार अलग ही रौनक है। ग्वालियर शहर के हुरावली चौराहे पर सड़क के किनारे फुटपाथ पर मिट्टी के दीपक और अन्य पूजन सामग्री बेच रहीं राजेश्वरी प्रजापति का कहना है कि इस बार की दीपावली पर सारी कमाई हमारे घर पहुँचेगी। नगर निगम का कोई भी कर्मचारी मुझसे शुल्क (कर) लेने नहीं आया है। हमारे भय्या मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुझ जैसे छोटे-छोटे कारीगरों के लिए कर मुक्त व्यापार करने की छूट दी है।

ग्वालियर के ठाठीपुर क्षेत्र में सड़क किनारे दुकान लगाकर मिट्टी के आकर्षक खिलौने व दीपक बेच रहे कल्लू प्रजापति की तो खुशी देखते ही बन रही थी। वे बोले कि पहले यह अंदेशा बना रहता था कि कहीं नगर निगम का कर्मचारी आकर यहां से हटने के लिये न कह दे, साथ ही शुल्क भी देना पड़ता था। पर इस बार कोई चिंता नहीं है, हम स्वाभिमान के साथ अपना व्यवसाय कर रहे हैं।

इसी तरह हुरावली के समीप मिट्टी के दीपक बेच रहे राजेश प्रजापति का कहना था कि सही मायने में प्रदेश में लोक कल्याणकारी सरकार काबिज है। सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हम जैसे आर्थिक रूप से कमजोर शिल्पियों को छूट देकर बड़ा प्रोत्साहन दिया है। इससे हमारा मनोबल और स्वाभिमान दोनों बढ़े हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाकर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिये किए गए आहवान को मध्यप्रदेश सरकार पूरी शिद्दत के साथ धरातल पर ला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दीपावली के अवसर पर रेहड़ी-पटरी व फुटपाथ पर मिट्टी के दीपक, दीप मालाएँ, धार्मिक प्रतीकों व अन्य पूजन सामग्री एवं सजावटी सामान बेचने वाले छोटे-छोटे कारीगरों को कर मुक्त व्यवसाय की छूट और उन्हें अन्य सुविधायें देने का निर्णय लिया गया है। इससे मिट्टी के दीपक बनाने वाले शिल्पियों के चाक ने गति पकड ली है। साथ ही अन्य शिल्पियों को भी प्रोत्साहन मिला है।

महाराष्ट्र में महायुति से नवाब मलिक की उम्मीदवारी पर टकराव

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति से पूर्व मंत्री नवाब मलिक की उम्मीदवारी को लेकर भाजपा और NCP-अजित गुट में टकराव हो गया है। मानखुर्द-शिवाजीनगर सीट से NCP-अजित गुट ने नवाब मलिक को उम्मीदवार बनाया है। महायुति की ओर से यह सीट शिवसेना शिंदे गुट को दी गई है और सुरेश पाटिल को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने भी पाटिल का समर्थन करते हुए कहा है कि वे मलिक के लिए कैंपेन नहीं करेंगे। मुंबई भाजपा के अध्यक्ष आशीष शेलार ने बुधवार को कहा- हमारी पार्ट का स्टैंड क्लियर है। हम पहले भी नवाब मलिक की उम्मीदवारी के खिलाफ थे। अब भी उनका समर्थन नहीं करेंगे, क्योंकि उनके दाऊद इब्राहिम से लिंक होने की बात सामने आई थी।

कांग्रेस कार्यकारिणी पर नहीं थम रहा बवाल

सचिव पद से इस्तीफा देने वाले मोनू सक्सेना ने जीतू पटवारी पर लगाया बड़ा आरोप

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी को लेकर पार्टी के अंदर ही कलह बढ़ते जा रहा है। 10 महीने के लंबे इंतजार के बाद जारी हुई सूची से भले ही पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कार्यकारिणी को लेकर डैमेज कंट्रोल करने में जुटे हुए हो, लेकिन अब उनके ही क्षेत्र के नेताओं ने बगावत का बिगुल फूंक दिया है।कांग्रेस के नाराज नेता मोनू सक्सेना जीतू पटवारी पर बड़ा आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा है।

चापलूसी करने वालों को जगह दी गई- मोनू सक्सेना -मोनू सक्सेना ने कहा कि सुरेश पचौरी जो बीजेपी में चले गए हैं उनके लोगों को बड़े-बड़े पद दिए गए है।मंत्री विश्वास सारंग के साथ घूमने वाले नेताओं को कार्यकारिणी में जगह दी गई है। चापलूसों को जगह मिली है, लेकिन संघर्ष करने वाले नेताओं को अनदेखा किया गया है। सक्सेना ने कहा मेरे संघर्ष का सम्मान नहीं किया गया। विधानसभा की एक सीट जीतने के लिए मैंने शहर अध्यक्ष पद छोड़ा था।उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के लिए 20 साल में हजारों आंदोलन किया और हजारों बार जेल गया, उसके बाद भी मुझे सूची में उचित स्थान नहीं दिया गया। इस अनदेखी को लेकर वह राष्ट्रीय नेतृत्व से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के संदेश को जनता तक पहुंचाने का काम करता रहूँगा। दरअसल मंगलवार की रात में कांग्रेस कार्यकारिणी की दूसरी सूची जारी हुई थी, लेकिन बुधवार सुबह ही पार्टी में सचिव बनाए गए इंदौर के अमन बजाज और भोपाल के मोनू सक्सेना ने पद नहीं लेने का एलान कर दिया। मोनू सक्सेना ने कहा कि आपकी तरफ से मुझे प्रदेश कांग्रेस में सचिव का महत्वपूर्ण पद मुझे दिया गया है, लेकिन आप से अनुरोध है कि मेरे प्रदेश सचिव स्थान पर किसी अन्य अनुभवी य युवा साथी को पदस्थ कर पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करे।

भोपाल में मार्निंग वॉक पर निकले 35 साल के इंजीनियर की हार्ट-अटैक से मौत

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। राजधानी भोपाल के कोलार इलाके में बुधवार सुबह मार्निंग वॉक पर निकले एक इंजीनियर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पड़ोसी ने उन्हें सड़क पर बेसुध देखा तो पहचान कर परिजनों को सूचना दी।परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार कोलार के गणेश एन्क्लेव निवासी सुदीप पटेल पुत्र उमा पटेल (35) मूल रूप से रीवा के रहने वाले थे। भोपाल से बी.ई की पढ़ाई करने के बाद यहीं नौकरी करने लगे थे। सुदीप ने 13 साल पहले लव मैरिज की थी। उनकी पत्नी विंध्याचल भवन स्थित सांख्यिकी विभाग के अकाउंट डिपार्टमेंट में पदस्थ हैं।रोजाना की तरह सुदीप बुधवार सुबह करीब 5:45 बजे मार्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे।

पीएम मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर:एकता नगर में 280 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। वे सरदार पटेल की जयंती पर मनाए जाने वाले एकता दिवस के लिए यहां केवड़िया पहुंचे हैं। उन्होंने बुधवार को एकता नगर में 280 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।

उनका स्टार्ट 6.0 कार्यक्रम में अधिकारियों, कॉमन फाउंडेशन कोर्स (ट्रेनी आईएएस-आईपीएस) अफसरों को संबोधित करने का कार्यक्रम भी है। इस साल के कार्यक्रम का विषय आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए रोडमैप% है।99वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स स्टार्ट 6.0 में भारत की 16 सिविल सेवाओं और भूटान की 3 सिविल सेवाओं के 653 ट्रेनी अफसर शामिल हैं।

पीएम मोदी गुरुवार (31 अगस्त) को केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे। सबसे पहले वे सुबह करीब 7:15 बजे पीएम मोदी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी एकता दिवस की शपथ दिलाएंगे और परेड देखेंगे। इसमें 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, 4 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, हृष्टष्ट और एक मार्चिंग बैंड की 16 टुकड़ियां शामिल होंगी।विशेष आकर्षणों में हस्त्र की हेल मार्च टुकड़ी, BSF और CRPF के महिला और पुरुष बाइकर्स का साहसिक प्रदर्शन, बीएसएफ द्वारा भारतीय मार्शल आर्ट के संयोजन पर एक शो, स्कूली बच्चों का पाइप बैंड शो, भारतीय वायु सेना द्वारा सूर्य किरण फ्लाईपास्ट आदि शामिल होंगे।

29 अक्टूबर को धनतेरस और 9वें आयुर्वेद दिवस पर केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) को विस्तार दिया। इसमें बुजुर्गों को शामिल किया।70 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए 5 लाख रुपए का मुफ्त इलाज की सुविधा लॉन्च की। इसके तहत देश के 6 करोड़ बुजुर्गों को फायदा मिलेगा। पीएम ने कहा- मैं दिल्ली और बंगाल के 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों से क्षमा मांगता हूं कि उनकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। आपको कष्ट होगा, लेकिन मैं मदद नहीं कर पाऊंगा। कारण- दिल्ली और बंगाल की सरकार इस योजना से नहीं जुड़ रही है।

प्रदेश के हर घर में पहुंचे विकास, समृद्धि और खुशहाली का प्रकाश- विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने प्रदेश के नागरिकों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने कहा कि मां लक्ष्मी की कृपा प्रदेशवासियों पर बनी रहे तथा विकास, समृद्धि और खुशहाली का प्रकाश प्रदेश के हर घर को आलोकित करे, माता लक्ष्मी से यही प्रार्थना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पिछड़ेपन को पीछे छोड़कर आज का मध्यप्रदेश विकास और समृद्धि के अपार संभावनाओं वाले आकाश में उड़ान भरने को तैयार है। बीते सालों में प्रदेश के करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और अब तरक्की के रास्ते पर कदम बढ़ा रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि दीपोत्सव पर सुख, समृद्धि और वैभव प्रदान करने वाली माता लक्ष्मी से यही प्रार्थना है कि विकास के उजियाले से प्रदेश का कोई घर अछूता न रहे और हर व्यक्ति के जीवन में संपन्नता आए।

जौरा एसडीएम एवं तहसीलदार की देखरेख में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को जेसीबी से हटवाया गया

जौरा (चम्बल नवराष्ट्र)। 3 करोड़ 50 लाख की शासकीय भूमि पर भाजपा नेता सहित अन्य लोगों के अवैध कब्जे को जेसीबी से हटाया एसडीएम एवं तहसीलदार के निर्देशन में हुई कार्यवाही जोरा जिले भर में शासकीय जमीनों पर किए गए अवैध कब्जे हटाने के कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशों का पालन करते हुए जौरा तहसील के अंतर्गत एक भाजपा नेता सहित अन्य लोगों द्वारा लगभग 3 करोड़ 50 लाख की बेस्ट कीमती शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को जेसीबी से हटाने की कार्यवाही की गई जौरा तहसील के अगरोता हल्के पर पदस्थ पटवारी रुपेश त्यागी द्वारा एसडीएम एवं तहसीलदार को ग्राम अगरोता मैं शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 226 284 भी एवं 88 रखवा लगभग 10 आर ए पर भाजपा नेता डॉक्टर आसाराम कुशवाहा एवं रामदयाल बिंदु नारायण रामवीर सचिन के द्वारा अवैध रूप से बाउंड्री बनाकर अतिक्रमण करने के पश्चात अन्य निर्माण कार्य करने की रिपोर्ट दी गई जिस पर से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों को खुद ही अतिक्रमण हटाने का नोटिस भी दिया गया लेकिन शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को नहीं हटाया गया जिस पर से बुधवार 30 अक्टूबर को दोपहर में एसडीएम प्रदीप सिंह तोमर तहसीलदार कल्पना कुशवाह नायब तहसीलदार आशीष जैसवाल राजस्व निरीक्षक सत्येंद्र पांडे एवं रामकुमार त्यागी पटवारी रूपेश कुमार त्यागी सहित पुलिस बल के साथ टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से 3 करोड़ 50 लाख की बसें कीमती शासकीय जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को जेसीबी की सहायता से तोड़कर शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया आक्रमण हटाने की कार्यवाही लगभग डेढ़ से 2 घंटे चली इनका कहना है एसडीएम प्रदीप सिंह तोमर का कहना है कि अगर होता में आसाराम कुशवाहा सहित कई अन्य लोगों ने शासकीय भूमि पर बाउंड्री सहित अन्य निर्माण कर अवैध कब्जा कर लिया था जिसे बुधवार को हटाकर देश कीमती लगभग 3 करोड़ 50 लाख की जमीन को मुक्त करने की कार्रवाई की गई है

सीईओ जिला पंचायत ने खरीदे मिट्टी के दीये

श्योपुर। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा दीपावली पर्व के अवसर पर की गई अपील के चलते सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा भी बाजार पहुंचकर मिट्टी के दीये बेचने वाले दुकानदारो से दीयों की खरीददारी की गई। इस दौरान उन्होने सडक पर नीचे बैठकर मिट्टी के दीये खरीदे तथा माटीकला शिल्पियों से बातचीत की।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने अधिकारियों एवं शहरवासियों से मिट्टी के दीयो के उपयोग को प्रोत्साहन देने की अपील करते हुए कहा था कि दीपावली पर मिट्टी के दीपक रोशन करें। मिट्टी के दीपक न केवल पुरातन परम्पराओ तथा मान्यता के प्रतीक हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल हैं। इस अपील के उपरांत जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा बाजार पहुंचकर मिट्टी के दीये खरीदे गये। इसी क्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर भी आज शहर के हृद्य स्थल गोलम्बर पहुंचे तथा वहां लगी दुकानों से उन्होने मिट्टी के दीये एवं अन्य सामग्री की खरीद की गई।

चुनाव को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च,लोगों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील

विजयपुर विधानसभा के एक दर्जन गांव में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

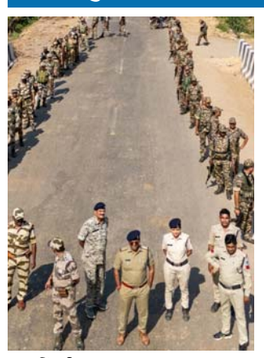

दिलीप कुशवाह

विजयपुर (चम्बल नवराष्ट्र)। विजयपुर में विधानसभा उपचुनाव को लेकर पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला है। यह फ्लैग मार्च विजयपुर थाना क्षेत्र के क्रिटिकल पोलिंग बूथ जिनमे गढ़ी, बाँगरौद मढ़ा, लाड़पुरा ,हुल्लपुर , इकलोद, सुनवई , दोर्द, बराकलाँ , मेवरा में फ्लैग मार्च कर एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही की गयी,विधानसभा विजयपुर में आगामी 13 तारीक को उपचुनाव है जिसको लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है। जिले के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विजयपुर थाना प्रभारी पप्पू यादव के नेतृत्व में पुलिस द्वारा बुधवार को कुछ ग्रामों में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस टीम और सीआरपीएफ, सीआईएसएफ के जवानों ने आम नागरिकों को शांतिपूर्ण,निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। बताया गया फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना है ताकि वे निर्भय होकर अपना मतदान कर सकें। इस दौरान आम जन से यह भी अपील की गई कि मतदान के दौरान अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करें तो तुरंत उसकी सूचना पुलिस को दें ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

रतनगढ माता मंदिर पर दोज मेला 1 से 3 नवंबर तक

श्योपुर। दतिया जिले के प्रसिद्ध रतनगढ माता मंदिर पर दीपावली के दोज पर लगने वाले विशाल मेले के संबंध में एडवाईजरी जारी की गई है तथा अगरबत्ती, ज्वलनशील पदार्थ, नारियल, पालीथिन का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है।

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल को लिखे गये अर्द्धशासकीय पत्र में कलेक्टर दतिया श्री संदीप कुमार माकिन द्वारा अवगत कराया गया है कि 1 से 3 नवंबर को दीपावली की दोज में रतनगढ माता मंदिर पर विशाल मेले का आयोजन होगा, जिसमें 20 से 25 लाख श्रद्धालुओ के आने की संभावना है। उक्त मेला आपदा प्रबंधन की दृष्टि से संवेदनशील रहा है, इसलिए श्रद्धालुओ को मंदिर तक आने के लिए बेहट से होकर आने वाला मार्ग तथा डबरा, पिछोर जिला ग्वालियर होते हुए दतिया, इंदरगढ, चरोखरा तथा भगवापुरा का मार्ग उपलब्ध रहेगा। इस मेले में बडी संख्या में श्योपुर के श्रद्धालुगण भी शामिल होते है। अत: वह उक्त एडवाईजरी अनुसार उक्त मार्ग का उपयोग करें।

जौरा पुलिस ने पकडे अवैध पटाखे दो के विरुद्ध मामला कायम

मुरैना(चम्बल नवराष्ट्र) । जिले भर में पुलिस अधीक्षक समीर सौरव द्वारा अवैध कार्य करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के दिए गए निर्देशों के पालन एवं अवैध रूप से पटाखा बेचने वालों की दर पकड़ एवं मामला दर्ज करने के निर्देशों का पालन करते हुए जौरा पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दो लोगों को पड़कर उनसे पटाखे जप्त किया एवं उनके विरोध मामला भी कायम किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को एसडीओपी नितिन बघेल एवं नगर निरीक्षक उदयभान सिंह यादव के निर्देशन में अप निरीक्षक चेतन करोसिया पंकज यादव सहायक उप निरीक्षक मुकेश सिंह राजावत एवं पुलिस टीम को पगारा रोड पर मुखबर के माध्यम से सूचना मिली की दुकान मालिक द्वारा अवैध रूप से पटाखों का क्रय विक्रय किया जा रहा है जिस पर से पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से पटाखा बेचने वाले से जब लाइसेंस मांगा तो उसके द्वारा लाइसेंस नहीं होना बताया गया जिस पर से आरोपी की दुकान से पटाखे जप्त किए गए एवं विस्फोटक अधिनियम के तहत दंडनीय होने से मौके पर लगभग ?7000 कीमत अब पटाखे भी जप्त किए गए आरोपी के विरुद्ध धारा 248 बी एनएस विस्फोटक अधिनियम के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया गया दूसरी कार्यवाही पचबीघा क्षेत्र में की गई यहां पर एक मकान में एक व्यक्ति द्वारा अवैध पटाखे बेचे जा रहे थे जिस पर से पुलिस टीम ने पहुंचकर लगभग ?15000 कीमत के अवैध पटाखे जप्त किए गए उक्त व्यक्ति के पास भी पटाखे बेचने का लाइसेंस नहीं पाया गया आरोपी के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम के अंतर्गत मामला किया गया है पुलिस द्वारा दोनों स्थानों से पकड़े गए अवैध पटाखों में पांच पैकेट बुलेट बम 10 पैकेट सीता गीता दीवार पटाखे साथ ना एक पैकेट मिर्ची के साथ एवं दूसरी जगह से 17 बुलेट बम 10 पैकेट सीता गीता बम 600 दीवार पटाखे 15 पैकेट मिर्ची पटाखा पांच पैकेट काशीराम पटाखे अंगोला पटाखे दो दो स्टार 12 स्टार की दो पैकेट सहित अन्य पटाखे जप्त किए गए हैं इस कार्यवाही में प्रवीण शर्मा विक्रम सिंह मुकेश सिंह रामेंद्र सिंह बहू देव सिंह सोनेंद्र सिंह जितेंद्र जाट आज पुलिसकर्मी भी शामिल रहे

पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान 5 एवं 6 को

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार पीजी कॉलेज श्योपुर स्थित फेसिलेशन सेंटर में 5 एवं 6 नवंबर को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नोडल अधिकरी डाक मतपत्र एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री लालजीराम मीणा ने बताया कि विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के दौरान मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ऐसे अधिकारी, कर्मचारी 5 एवं 6 नवंबर को सुबह 10 बजे से पीजी कॉलेज श्योपुर स्थित फेसिलेशन सेंटर में पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकते है।

सामान्य प्रेक्षक द्वारा स्टांग रूम, मतगणना हॉल का अवलोकन

श्योपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में उप निर्वाचन के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री संजीव गडकर (आईएएस) द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज श्योपुर में बनाये गये स्टांग रूम का अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके साथ ही उन्होने मतो की गणना के लिए बनाये जाने वाले मतगणना हॉल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉ अनुज कुमार रोहतगी, एडिशनल एसपी श्री सतेन्द्र सिंह तोमर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज गढवाल, ईई पीडब्ल्यूडी श्री विष्णु भगवान अग्रवाल, आरआई श्री अखिलेश शर्मा, सुबेदार श्री अनिरूद्ध मीणा, लाईजनिग आफिसर श्री सोहनकृष्ण मुगदल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सामान्य प्रेक्षक श्री संजीव गडकर द्वारा शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाये गये स्टांगरूम का अवलोकन किया गया तथा स्टांगरूम की सुरक्षा के लिए किये गये प्रबंधो का जायजा लिया, इसके साथ ही उन्होने शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में विजयपुर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए बनाये जाने वाले मतगणना हॉल का निरीक्षण किया तथा मतदान सामग्री वितरण स्थल का अवलोकन भी किया गया।

आपराधिक रिकार्ड वाला तीन आरोपी थाने में हाजरी देने के लिए पाबंद

श्योपुर। जिला मजिस्टेऊट श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3(1)(क) एवं धारा 3(1)(ग) के प्रावधानो के अंतर्गत वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियो को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जन साधारण के हित में आपराधिक रिकार्ड वाले आरोपी को थाने में हाजरी देने के लिए पाबंद किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्यवाही की गई है।

जिसके तहत आपराधिक रिकार्ड वाले आरोपी कुबेर सोनी पुत्र सुशील सोनी निवासी जाधव एसटीएस के पास शिवपुरी रोड श्योपुर को थाना कोतवाली श्योपुर को आदेश दिनांक से आगामी 03 माह तक सप्ताह में एक बार थाना प्रभारी कोतवाली श्योपुर के समक्ष अपनी हाजरी दर्ज कराने के लिए पाबंद किया गया है। कुबेर सोनी पर विभिन्न धाराओ के तहत 04 अपराध पंजीबद्ध है।

आरोपी पवन पुत्र धनश्याम आर्य निवासी वार्ड नंबर 11 गांधी नगर थाना कोतवाली श्योपुर को आदेश दिनांक से आगामी 03 माह तक सप्ताह में एक बार थाना प्रभारी कोतवाली श्योपुर के समक्ष अपनी हाजरी दर्ज कराने के लिए पाबंद किया गया है। राकेश पर विभिन्न धाराओ के तहत 08 अपराध पंजीबद्ध है।

भगवान धन्वंतरि जी का पूजन कर मनाया आयुर्वेद दिवस

श्योपुर। आयुर्वेद दिवस जिले की सभी आयुष संस्थाओं में धन्वंतरि भगवान का पूजन कर मनाया गया। नवम आयुर्वेद दिवस वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार थीम पर जिले की सभी आयुष संस्थाओं द्वारा भगवान धनवंतरी जी की पूजा अर्चना कर आयुष संस्था में आये रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आहार-विहार औषधि प्रदर्शनी आदि के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरुक कर मनाया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ जीपी वर्मा ने बताया कि इसके पूर्व आयुर्वेद दिवस के अन्तर्गत गतिविधियों में आयुर्वेद तकनीकी अपनाकर थकान व प्रबंधन ऊर्जा स्तर को बढ़ाना ध्यान योग से तनाव प्रबंधन आदि के संबंध में स्कूल एवं आंगनवाडियों में गतिविधियां कर चित्रकला, वाद-विवाद, आयुर्वेद पर निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान कर प्रमाण पत्र भी वितरित किए गये।

नाम वापसी के बाद विजयपुर में अब 11 प्रत्याशी

श्योपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित उप निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में आज नाम वापसी के बाद 11 प्रत्याशी शेष रहे है। विजयपुर से श्री बैजनाथ कुशवाह द्वारा अपने नाम निर्देशन पत्र वापस लिया गया है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाम वापसी के बाद अब विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में श्री मुकेश मल्होत्रा कांग्रेस, श्री रामनिवास रावत भारतीय जनता पार्टी, श्री नेतराम देवरिया सहरिया भारत आदिवासी पार्टी, श्रीमती भारती पचौरी आजाद समाज पार्टी (काशीराम), श्रीमती मंजू आदिवासी राष्ट्रीय जन आवाज पार्टी, श्री अशोक आदिवासी निर्दलीय, श्री छोटेलाल सेमरिया, निर्दलीय, श्री रमेश आदिवासी निर्दलीय, श्री रमेश सोलंकी निर्दलीय, श्री रामप्रसाद गोरछिया निर्दलीय, श्री राम सिंह भईया निर्दलीय के नाम शेष रहे है।

राजस्व मंडल द्वारा भूमि शासकीय काबिल कास्त दर्ज किये जाने का आदेश पारित

श्योपुर। न्यायालय राजस्व मंडल मध्यप्रदेश ग्वालियर द्वारा श्योपुर कस्बा स्थित भूमि सर्वे क्र. 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679/1 के संबंध में दायर पुर्नअवलोकन याचिका के क्रम में तहसीलदार तहसील श्योपुर के प्रकरण क्र. 89/2012-13/बी-121 आदेश दिनांक 16.09.2013 को स्थिर रखते हुए प्रश्नाधीन भूमि पूर्ववत शासकीय काबिल कास्त दर्ज किये जाने का आदेश पारित किया गया है।

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में इस प्रकरण के लिए नियुक्त प्रस्तुतकर्ता अधिकारी ओआईसी एसडीएम श्री मनोज गढवाल ने बताया कि कस्बा श्योपुर की उक्त सर्वे नंबरों की भूमि मिशल बंदोबस्त में शासकीय दर्ज है, न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्योपुर की दायरा पंजी वर्ष 2001 और 02 के शीर्ष-अ-1 में उस्मान गनी भूमि स्वामी घोषित करने के बावत् आवेदन पत्र दर्ज है। वर्ष 2001-02 में प्रकरण क्रमांक 04/01-02/अ-1 आदेश दिनांक 12.07.2003 से उस्मान गनी के नाम अवैध रूप से भूमिस्वामी प्रविष्टी दर्ज की गई, तहसीलदार श्योपुर द्वारा वर्ष 2013 में दायरा पंजी में दर्ज उक्त प्रविष्टी को जांच उपरांत प्रकरण क्र. 89/12-13/बी-121 में आदेश दिनांक 16.09.2013 पारित कर विलोपित करते हुए भूमि शासकीय काबिल कास्त करने का आदेश पारित किया गया था। उक्त प्रकरण में उस्मान गनी के वारिसों द्वारा माननीय राजस्व मंडल में निगरानी प्रस्तुत की गई तथा इस निगरानी प्रकरण में राजस्व मंडल द्वारा 10.06.2016 को पारित आदेश में तहसीलदार के आदेश को निरस्त कर आवेदकगणों के नाम पूर्ववत दर्ज किये जाने का आदेश दिया गया था।

इस आदेश का पालन कराये जाने के लिए आवेदकगणों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में रिट पिटीशन मोहम्मद सगीर बनाम मध्यप्रदेश शासन दायर की गई। इस मामले में शासन की ओर से राजस्व मंडल में पुर्नअवलोकन याचिका दायर की गई, जिस पर राजस्व मंडल की एकल सदस्य टीम द्वारा प्रकरण क्र. निगरानी 2335-एक/2015 में पारित आदेश दिनांक 10.06.2016 को अवैधानिक, अनियमित एवं विधि विपरित होने से निरस्त किया गया तथा तहसीलदार तहसील श्योपुर के प्रकरण क्र. 89/2012-13/बी-121 आदेश दिनांक 16.09.2013 को स्थिर रखते हुए प्रश्नाधीन भूमि पूर्ववत शासकीय काबिल कास्त दर्ज किये जाने के आदेश दिये गये है। उन्होने बताया कि उक्त भूमि का रकबा लगभग 5 बीघा है तथा भूमि वेशकीमती है।

गोवर्धन पूजा व मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करें

लाल टिपारा गौशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा मुख्य आयोजन

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने दिए निर्देश जिले की अन्य गौशालाओं में भी हो गोवर्धन पूजा

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तहत गरिमामय ढंग से हो कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 2 नवम्बर को आदर्श गौशाला लाल टिपारा में आयोजित होने जा रहे गोवर्धन पूजा व मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार को समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस आयोजन में जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्धजन एवं गणमान्य नागरिकों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करें। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थायें बेहतर से बेहतर हों। उन्होंने कहा स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय ढंग से हो। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि राज्य शासन ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस कार्यक्रम में गौशालाओं में गोवर्धन पूजा को भी शामिल किया है। इसलिए लाल टिपारा सहित जिले की अन्य गौशालाओं में भी 2 नवम्बर को गोवर्धन पूजा का आयोजन कराएँ। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोवर्धन पूजा व स्थापना दिवस कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को जरूर आमंत्रित करें। बुधवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक प्रमुख शासकीय भवनों में रोशनी की जाए। साथ ही स्वच्छता, सजावट, रंगोली इत्यादि गतिविधियाँ भी हों। ऐतिहासिक स्मारकों व महापुरुषों की प्रतिमाओं के परिसर में विशेष तौर पर साफ-सफाई कराई जाए। निर्माण श्रमिकों को मिष्ठान वितरण व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बस्तियों में दीपोत्सव जैसे कार्यक्रम भी किए जा सकते हैं। उन्होंने दीपावली पर होने वाले आतिशबाजी कचरे को हटाने के लिये सघन स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश भी बैठक में दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय अस्पतालों के मरीजों को स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से फल एवं मिष्ठान वितरण करने के लिये भी कहा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट एवं नगर निगम आयुक्त कार्यालय सहित अन्य स्थानों पर जिले के स्व-सहायता समूहों एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुओं की बिक्री के लिये प्रदर्शनी लगाने के निर्देश भी बैठक में दिए। उन्होंने कहा यह काम प्रमुखता से किया जाए।

जिला कोषालय में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किया लक्ष्मी पूजन

ग्वालियर। दीपावली पर्व के पावन अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित जिला कोषालय में लक्ष्मी पूजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान के साथ लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना की। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इस अवसर पर कहा कि लक्ष्मी पूजन का केवल आध्यात्मिक महत्व ही नहीं है, इस पूजन से समृद्धि, खुशहाली व सामाजिक सदभाव के लिए सकारात्मक ऊर्जा भी मिलती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पूजा ग्वालियर जिले के निवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि व शांति लायेगी। जिला कोषालय में आयोजित हुए लक्ष्मी पूजन में जिला कोषालय अधिकारी श्री अरविंद कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

जनसंपर्क परिवार ने पत्रकार साथियों को दी दीपोत्सव की शुभकामनायें

ग्वालियर। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया से जुड़े सभी भाईयों को दीपोत्सव पर हार्दिक शुभकामनायें दी हैं। जनसंपर्क परिवार ने दीप पर्व पर अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान रूपी दीपक को प्रज्ज्वलित कर इसे सार्थकता प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। साथ ही सभी की सुख समृद्धि के लिये भी मंगल कामना की है।

प्रभारी मंत्री सिलावट ने दी दीपोत्सव की बधाई व शुभकामनाएँ

ग्वालियर । जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई व शुभकामनायें दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि दीपावली के दीपक इस बात का प्रतीक हैं कि अंधेरे के बीच प्रकाश ही अंततः प्रबल है। दीपोत्सव बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न है। उन्होंने ग्वालियर जिले सहित प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और स्वच्छ जीवन की कामना करते हुए कहा कि निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश में आने वाला वर्ष सभी के लिए और अधिक मंगलमयी होगा।

मंत्री कुशवाह ने दी दीपावली की शुभकामनाएँ

ग्वालियर । प्रदेश के सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने ग्वालियर जिले के निवासियों सहित सम्पूर्ण प्रदेशवासियों को दीपावली के शुभ अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि दीपोत्सव पर प्रदेश के विकास व समृद्धि के साथ-साथ नशा मुक्त मध्यप्रदेश के लिये भी दीप जलाएँ। उन्होंने कहा कि दीपों का पर्व दीपावली हमें अन्धेरे से उजाले की ओर निरंतर चलते रहने की प्रेरणा देता है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी दीपावली पर्व की बधाई

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रदेश वासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने कहा है कि प्रकाश का यह पर्व सभी के जीवन में आनंद और समृद्धि लाये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आग्रह किया है कि दीपावली पर्व पर बिजली लाइन के पास पटाखे नहीं चलायें। इससे दुर्घटना से बचा जा सकता है।

सभापति तोमर ने दीं दीपावली की शुभकामनाएं

ग्वालियर। दीपोत्सव के अवसर पर सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने शहरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली पर्व को सभी शहरवासी मिलजुल कर हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से सद्भावना के साथ मनाएं तथा शहर की खुशहाली एवं स्वच्छता के लिए मिलकर प्रयास करें। दीपोत्सव बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न है। प्रकाश का यह पर्व सभी के जीवन में आनंद और समृद्धि लाए। सभापति श्री तोमर ने अेपने कर्मचारियों को मिठाई बांटकर दीपावली की शुभकामनाएं दी।

दिवाली मनाने घर आया धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। में जमीन धोखाधड़ी के मामले में ठगी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले 4 साल से पुलिस को चकमा दे रहा आरोपी दिवाली मनाने घर आया था। मुखबिर की सूचना पर महाराजपुर पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। टीआई महाराजपुर धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि साल 2021 में आदित्यपुरम निवासी दिनेश चंद्र श्रीवास कई लोगों को जमीन के सौदे का झांसा देकर ठगी की वारदात और अमानत में खयानत कर फरार हो गया। शिकायत के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। मंगलवार रात पुलिस को आरोपी के ग्वालियर आने की सूचना मिली। आरोपी के मूवमेंट की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम अलर्ट हो गई। रात को पता लगा कि वह सिरोल इलाके में देखा गया। इसका पता चलते ही महाराजपुरा थाना पुलिस की एक टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को एसपी ने दी विदाई

ग्वालियर। पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुये 5 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को बुधवार को विदाई दी गई। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अशोक सिंह जादौन, मुख्य लिपिक नरेन्द्र तुनिया उपस्थित थे। विदाई समारोह में पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी। पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से नौकरी के दौरान उनके अनुभवों को भी साझा किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों से उनके भविष्य के कार्यकलापों के बारे में जाना तथा उनको सेवानिवृत्त उपरांत स्वयं को सामाजिक कार्यों में व्यस्त करने की सलाह दी जिससे अभी तक रही व्यस्तता की दिनचर्या से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। सेवानिवृत होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों में सूबेदार (अ) दत्ताराव पराण्डे, सउनि0 महेन्द्र कुमार पाठक, रामवरन सिंह, सउनि. कालीचरण नरवरिया, प्र.आर0 रफीक खान शामिल थे।

सभापति तोमर ने निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को दी विदाई

ग्वालियर । सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने कहा कि आज निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारी स्वस्थ्य रहें तथा उनका भविष्य उज्जवल। उन्होंने जिस प्रकार निगम की सेवा पूरे मन से की है उसी प्रकार अब पूरे मन से परिवार को समय देना। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा कर्मचारियों के पीएफ की राशि बैंक खाते में पहुँचाई गई। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्री बृजेश श्रीवास्तव ने किया। जलविहार स्थित सभा भवन में आयोजित सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विदाई समारोह में आज सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में विधि एवं सामान्य प्रशासन से निज सहायक श्रीमती रचना सक्सेना, श्रमिक श्री दुर्जन सिंह, स्वास्थ्य से सफाई कामगार श्री भगवानदास पुत्र शिवराम, कंपाउंडर श्रीमती वंदना तोमर, सफाई कामगार श्री मुन्ना पुत्र डबोले, कार्यशाला से वर्कमेन श्री जवाहर लाल पुत्र बद्री प्रसाद आदि शामिल हैं। विदाई समारोह में निगम के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लायंस क्लब गालव ने आदिवासी बस्ती में उपहार बांटे

ग्वालियर। लायंस क्लब गालव द्वारा बुधवार को छोटी दिवाली के उपलक्ष्य में शिवपुरी लिंक रोड पर आदिवासी बस्ती में फुलझड़ी, पटाखे, मिठाइयां, कपड़े ,जूते-चप्पल, बिस्कुट, जूस के पैकेट, मैगी के पैकेट, चिप्स बेफर के पैकेट, फ्रूट इत्यादि समान जरूरतमंद बच्चों और लोगों को वितरण किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक लायन शरद साहू, लायन सुनील गोयल, रीजन चेयरपर्सन लायन अजय चोपड़ा सहित समस्त लायन साथी उपस्थित थे।

अग्नि दुर्घटना होने पर इन नंबरों पर दें जानकारी

ग्वालियर। दीपावली के अवसर पर किसी भी अग्नि दुर्घटना की संभावना को देखते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। जिस पर शहर का कोई भी नागरिक अग्नि दुर्घटना होने पर तत्काल सूचना दे सकता है। नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव के निर्देश पर दीपावली के पर्व के अवसर पर किसी भी अग्नि दुर्घटना की संभावना को देखते हुये विशेष व्यवस्था की गई हैं। दीपावली त्यौहार के अवसर पर किसी भी अग्नि दुर्घटना की सूचना फायर मुख्यालय रूप सिंह स्टेडियम के नम्बर पर 0751-2438361, 101, 2342101, 2342102, 2340489, के साथ ही मुरार सब फायर स्टेशन 0751-2438324 पर एवं महाराज बाडा सब फायर स्टेशन 0751-2438326, आनंद नगर सब फायर स्टेशन 0751-2438368, दीनदयाल नगर फायर स्टेशन 0751-2438227 आदि दूरभाष के साथ ही उपायुक्त डॉ. अतिबल सिंह यादव मो. 7587647478, नोडल अधिकारी फायर श्री उमंग प्रधान मो. 88784 32178, सहायक नोडल अधिकारी फायर श्री विवेक दीक्षित 91710 97102 नम्बर पर जानकारी दी जा सकती है।

सीने-पेट में घुसे सरिए, कटर मशीन से काटे

ग्वालियर। ग्वालियर में इंजीनियर-डॉक्टर ने मिलकर एक मजदूर की जान बचाई। मजदूर के सीने और पेट में घुसे सरिए निकालने के लिए ऑपरेशन ढाई घंटे तक चला। इंजीनियर ने स्ट्रेचर पर ही उसके शरीर में घुसे सरिए इलेक्ट्रिक कटर से काटे।जिसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें बाहर निकाला। दरअसल, मंगलवार दोपहर को ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 के बाहर रेलवे के निर्माणाधीन रिहायशी टॉवर में काम कर रहा एक मजदूर छत से नीचे आ गिरा था। वहां रखे 12 मिलीमीटर के दो सरिए उसके पेट और हाथ में घुसे जबकि एक सीने से आर-पार हो गया था। ठेकेदार और साथी मजदूर उसे जयारोग्य हॉस्पिटल (जेएएच) के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 2 नवम्बर को लाल टिपारा गौशाला में करेंगे गोवर्धन पूजा

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 2 नवम्बर को ग्वालियर में लाल टिपारा स्थित आदर्श गौशाला में गोवर्धन पूजा एवं मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के जिला स्तरीय समारोह में शामिल होंगे। भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाल टिपारा गौशाला में गौ-पूजन एवं गोवर्धन पूजा कर प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगितायें होंगी। साथ ही गौवंश के दूध व गोबर से बने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगेगी। ज्ञात हो मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राज्य सरकार द्वारा पूरे प्रदेश के हर जिले की गौशालाओं में गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से गोवर्धन पूजा व गौ-पूजन करने का निर्णय लिया गया है। लाल टिपारा गौशाला में 2 नवम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का बुधवार को संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना व कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जायजा लिया। उन्होंने सभी व्यवस्थायें समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम गरिमा के अनुरूप हों। व्यवस्थायें ऐसी हों जिससे आयोजन में शामल होने आ रहे नागरिक सुविधाजनक तरीके से अपने स्थान पर पहुँच सकें। इसके लिये बैरीकेटिंग की जाए। पार्किंग की बेहतर व्यवस्था करने के लिये भी अधिकारियों से कहा गया। लाल टिपारा गौशाला में 2 नवम्बर को गोवर्धन पूजा एवं मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में मथुरा के कलाकारों द्वारा लोकनृत्य व भजन प्रस्तुत किए जायेंगे। साथ ही इस अवसर पर चित्रकला, फैंसी ड्रेस, लोकगीत व पारंपरिक खेल सितौलिया प्रतियोगिता भी होगी। कृष्ण, राधा व ग्वाला - ग्वालिनों के रूप में सजे-धजे बच्चे भी कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण होंगे। कार्यक्रम स्थल पर मक्खन व श्रीखण्ड तथा गोबर शिल्प, जैविक खाद व सीएनजी सहित गौवंश के गोबर से निर्मित 11 प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी लगेगी।

हजरत ख्वाजा खानून साहब का 506 वां उर्स मेला आरम्भ

चिरागे चिश्तिया ऱोशन होकर विशेष दुआ हुई

ग्वालियर(चम्बल नवराष्ट्र) । परम संत हजरत ख्वाजा खानून साहब शाहे विलायत ग्वालियर का 506 वां सालाना उर्स मेला अपनी परम्परा गत रवायत के साथ चिरागे चिश्तिया ऱोशन होकर प्रारंभ हुआ। ख्वाजा साहब की दरगाह पर आयोजित समारोह में सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी ने राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता के साथ देश प्रदेश की प्रगति और खुशहाली तथा अमन चैन के लिए बिशेष दुआ की।आठ दिवसीय उर्स मेले की पहली चादर परम्परा अनुसार प्रबंध समिति और स्थानीय प्रशासन की ओर से पेश की गई।दुआ के बाद पूर्व सांसद ?श्री विवेक नारायण शेजवलकर, वरिष्ठ समाजसेवी आशीष प्रताप सिंह राठौड़, डॉ केशव पांडे, रफीक खान नेता जी,आदि ने चिरागे चिश्तिया ऱोशन किया।नायब सज्जादानशीन डॉ एजाज खानूनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आठ दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह का संचालन उर्स संयोजक राम बाबू कटारे ने किया।इस मौके पर जनाब साकिब खानूनी,मुआज खानूनी,संजय खानवलकर, नबाब भाई, सुलेमान खान, शरीफ़ खां,राम मोहन तिवारी,शफीक खान,आजाद खान,भूरा खलीफा आदि के साथ काफी संख्या में ख्वाजा साहब के अकीदतमंदों ने भाग लिया।

संपादकीय

दीपों का पावन पर्व दीपावली

दीपों का पावन पर्व दीपावली भी यही संदेश देता है। यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। दीपावली का अर्थ है दीपों की श्रृंखला। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों %दीप% एवं %आवली% अर्थात %श्रृंखला% के मिश्रण से हुई है। दीपावली का पर्व कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है। वास्तव में दीपावली एक दिवसीय पर्व नहीं है, अपितु यह कई त्यौहारों का समूह है, जिनमें धन त्रयोदशी अर्थात धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज सम्मिलित हैं। दीपावली महोत्सव कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से शुक्ल पक्ष की दूज तक हर्षोल्लास से मनाया जाता है। धनतेरस के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। तुलसी या घर के द्वार पर दीप जलाया जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन यम की पूजा के लिए दीप जलाए जाते हैं। गोवर्धन पूजा के दिन लोग गाय-बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर उसकी पूजा करते हैं। भैया दूज पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसके लिए मंगल कामना करती है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने की भी परंपरा है।प्राचीन हिंदू ग्रंथ रामायण के अनुसार दीपावली के दिन श्रीरामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने श्रीराम के स्वागत में घी के दीप जलाए थे। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत के अनुसार दीपावली के दिन ही 12 वर्षों के वनवास एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी हुई थी। मान्यता यह भी है कि दीपावली का पर्व भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी से संबंधित है। दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव देवताओं और राक्षसों द्वारा दूध के लौकिक सागर के मंथन से पैदा हुई लक्ष्मी के जन्म दिवस से प्रारंभ होता है। समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में लक्ष्मी भी एक थीं, जिनका प्रादुर्भाव कार्तिक मास की अमावस्या को हुआ था। उस दिन से कार्तिक की अमावस्या लक्ष्मी-पूजन का त्यौहार बन गया। दीपावली की रात को लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया था। मान्यता है कि दीपावली के दिन विष्णु की बैकुंठ धाम में वापसी हुई थी।कृष्ण भक्तों के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था। यह भी कहा जाता है कि इसी दिन समुद्र मंथन के पश्चात धन्वंतरि प्रकट हुए। मान्यता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं। जो लोग इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं, उन पर देवी की विशेष कृपा होती है। लोग लक्ष्मी के साथ-साथ संकट विमोचक गणेश, विद्या की देवी सरस्वती और धन के देवता कुबेर की भी पूजा-अर्चना करते हैं।अन्य हिन्दू त्यौहारों की भांति दीपावली भी देश के अन्य राज्यों में विभिन्न रूपों में मनाई जाती है। बंगाल और ओडिशा में दीपावली काली पूजा के रूप में मनाई जाती है। इस दिन यहां के हिन्दू देवी लक्ष्मी के स्थान पर काली की पूजा-अर्चना करते हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा और उत्तर मध्य क्षेत्रों में इसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा पर्व माना जाता है। गोवर्धन पूजा या अन्नकूट पर श्रीकृष्ण के लिए 56 या 108 विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। दीपावली का ऐतिहासिक महत्व भी है। हिन्दू राजाओं की भांति मुगल सम्राट भी दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया करते थे। सम्राट अकबर के शासनकाल में दीपावली के दिन दौलतखाने के सामने ऊंचे बांस पर एक बड़ा आकाशदीप लटकाया जाता था। बादशाह जहांगीर और मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर ने भी इस परंपरा को बनाए रखा। दीपावली के अवसर पर वे कई समारोह आयोजित किया करते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में भी पूरे महल को दीपों से सुसज्जित किया जाता था। कई महापुरुषों से भी दीपावली का संबंध है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म एवं महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। उन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय समाधि ले ली थी। आर्य समाज के संस्थापाक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अवसान लिया था। जैन और सिख समुदाय के लोगों के लिए भी दीपावली महत्वपूर्ण है। जैन समाज के लोग दीपावली को महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थकर महावीर स्वामी को इस दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन संध्याकाल में उनके प्रथम शिष्य गौतम गणधर को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन धर्म के मतानुसार लक्ष्मी का अर्थ है निर्वाण और सरस्वती का अर्थ है ज्ञान। इसलिए प्रात:काल जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाया जाता है और लड्डू का भोग लगाया जाता है। सिख समुदाय के लिए दीपावली का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन अमृतसर में वर्ष 1577 में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। वर्ष 1619 में दीपावली के दिन ही सिखों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। दीपावली से पूर्व लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई करते हैं। घरों में मरम्मत, रंग-रोगन, सफ़ेदी आदि का कार्य कराते हैं। दीपावली पर लोग नए वस्त्र पहनते हैंअ एक-दूसरे को मिष्ठान और उपहार देकर उनकी सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। घरों में रंगोली बनाई जाती है, दीप जलाए जाते हैं, मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। घरों व अन्य इमारतों को बिजली के रंग-बिरंगे बल्बों की झालरों से सजाया जाता है। रात में चहुंओर प्रकाश ही प्रकाश दिखाई देता है। आतिशबाजी भी की जाती है। अमावस की रात में आकाश में आतिशबाजी का प्रकाश बहुत ही मनोहारी दृश्य बनाता है। दीपावली का धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व भी है। दीपावली पर खेतों में खड़ी खरीफ की फसल पकने लगती है, जिसे देखकर किसान फूला नहीं समाता। इस दिन व्यापारी अपना पुराना हिसाब-किताब निपटाकर नए बही-खाते तैयार करते हैं।दीपावली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, लेकिन कुछ लोग इस दिन दुआ खेलते हैं और शराब पीते हैं।अत्यधिक आतिशबाजी के कारण ध्वनि और वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। इसलिए इस बात की आवश्यकता है कि दीपों के इस पावन पर्व के संदेश को समझते हुए इसे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाए।

दलबदल की राजनीति को खारिज करने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र में चुनाव-प्रचार अब ज़ोरों पर है। अपनी-अपनी जीत का दावा तो सब कर रहे हैं, पर मतदाता जितायेगा किसे, यह अभी भविष्य के गर्भ में ही है। चुनाव परिणाम को लेकर दावे और प्रतिदावे तो अब भी हो रहे हैं, पर 'चुनावों के पंडित' कहलाने वाले चुनाव परिणाम के बारे में इस बार कुछ ठोस कहने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस, ये चार दल मुख्यत: हुआ करते थे पहले मैदान में, इस बार इन दलों की संख्या छह है- शिवसेना और राष्ट्रवादी दोनों इस बार बंटे हुए हैं। अब मैदान में दो शिवसेना हैं और दो राष्ट्रवादी। यह स्थिति बड़ा कारण है चुनाव परिणाम को लेकर फैल रहे असमंजस का। सवाल सिर्फ पार्टियों के बंटने का नहीं है, व्यक्तियों का बंटना ज़्यादा घाल-मेल करने वाला है।

यूं तो हर दल यह दावा करता है कि उसके पास अपनी नीतियां हैं, अपनी विचारधारा है, 'जनता की सेवा' करने का अपना तरीका है, पर देश में चुनाव-दर-चुनाव यह बात लगातार स्पष्ट होती रही है कि हमारे राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता के लिए राजनीति करना ही रह गया है। नीतियों और सिद्धांतों की बात तो सब करते हैं पर निगाह सबकी 'कुर्सी' पर ही टिकी रहती है। सत्ता पाने के लिए हमारे राजनेता कुछ भी करने-कहने के लिए तैयार दिखते हैं।

वैसे सिद्धांतों की राजनीति का नकार कोई नयी बात नहीं है। दशकों पहले हरियाणा में 'आया राम, गया राम' की राजनीति शुरू हुई थी। एक तरह की राजनीतिक अराजकता-सी फैलती गयी उसके बाद। ऐसा नहीं है कि इस दल बदलू राजनीति के खतरों से देश अनभिज्ञ था। कोशिशें भी हुईं इस स्थिति से उबरने की। राजनीति में नैतिकता के स्थान को लेकर विमर्श भी होते रहे, कानून भी बने, पर सत्ता की दौड़ में राजनीतिक शुचिता के लिए स्थान लगातार कम होता गया। युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज़ है की तर्ज पर राजनीति में भी सब कुछ जायज़ मान लिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज की राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा। चुनावों के दौरान, और चुनावों के लिए मची आपाधापी में हम इस पतन के उदाहरण लगातार देख रहे हैं। यह अपने आप में कम पीड़ा की बात नहीं है, पर मतदाता की असहायता देख कर पीड़ा और बढ़ जाती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के मतदाता ने समय-समय पर अपनी जागरूकता और ताकत का परिचय और परिणाम भी दिया है। आपातकाल घोषित करने वाली सरकार को देश के मतदाता ने जिस तरह से नकारा था, वह उसकी ताकत का प्रमाण है, उसकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण है। राज्यों के चुनाव में भी ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं। लेकिन, भ्रष्ट, दलबदलू सिद्धांतहीन राजनीति को नकारने का जो परिणाम होना चाहिए, वह अक्सर नहीं दिखाई देता। यह पीड़ा की बात है, और चिंता की भी। यह चिंता राजनेता नहीं करेंगे। उनका स्वार्थ इस स्थिति के बने रहने में है। स्थिति को बदलने की आवश्यकता तो मतदाता को है। वह इस आवश्यकता को समझते हुए भी अक्सर न समझने की मुद्रा अपना लेता है।टिकटों के बंटवारे को लेकर आज महाराष्ट्र में जिस तरह की स्थिति दिखी है, वह अपने आप में कोई नयी स्थिति नहीं है। बहुत देखा है इस स्थिति को मतदाता ने। देखा ही नहीं, सहा है, कहा जाना चाहिए। पर क्यों सहे मतदाता इस स्थिति को?

बड़ी बेशर्मी के साथ हमारे राजनेता अपना पाला बदल लेते हैं। शरद पवार ने टिकट नहीं दिया तो अजित पवार के पाले में चले जाएंगे; उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट नहीं मिला तो शिंदे की पार्टी दे देगी; भाजपा के नेतृत्व ने किसी की उम्मीदवारी का दावा स्वीकार नहीं किया तो कांग्रेस का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। किसी को कांग्रेस नकारती है तो भाजपा बांहें फैला कर उसका स्वागत कर लेगी। महाराष्ट्र का यह सच देश के बाकी राज्यों का सच भी है। इस सच का निहितार्थ सत्ता के लालच के संदर्भ में ही समझा जा सकता है।

सत्ता के लिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है। लेकिन सत्ता के लिए विचारधारा की जिस तरह आज बलि दी जा रही है, वह जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की धज्जियां उड़ाना ही है। आज़ादी प्राप्त करने के कुछ अर्सा बाद तक स्थिति ऐसी या इतनी बुरी नहीं थी। हमारे पास ऐसे नेता थे जो नीतियों और मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे। तब एक सीमा तक हमारी राजनीति तीन हिस्सों में बंटी हुई थी- वामपंथी, दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी। तब हमारा मतदाता इतना शिक्षित नहीं था, जितना आज है। पर राजनीति के इस विभाजन को वह समझता था। तब हमारे नेताओं को अपनी छवि की, शायद, ज़्यादा चिंता थी। आज स्थिति बदल गयी है। नेता भले ही यह कहता रहे कि 'यह पब्लिक है सब जानती है' पर मानता वह यही है कि पब्लिक को बरगलाया जा सकता है। इसीलिए जब चाहे कोई 'आयाराम गयाराम' बन जाता है और सब जानने का दावा करने वाली पब्लिक यह खेल देखकर हंसती रह जाती है।पर बात हंसने की नहीं है। पीड़ा देने वाली बात है यह। मतदाता का कर्तव्य है कि वह आयाराम गयाराम की राजनीति में विश्वास करने वाले प्रत्याशियों से पूछे कि उनके आचरण को अस्वीकार क्यों न किया जाये? क्यों न पूछा जाये कि वह मतदाता को इतना कमज़ोर क्यों समझते हैं कि कुछ भी करना-कहना अपना अधिकार मान लेते हैं? और यह सवाल मतदाता को अपने आप से भी पूछना चाहिए कि वह अक्सर नेताओं के हाथ का खिलौना क्यों बन जाता है? एक बात जो और उभर कर सामने आयी है, वह अपनी संतानों को नेताओं द्वारा राजनीतिक उत्तराधिकार देने की है। यह सिर्फ महाराष्ट्र का सच नहीं है कि अधिकतर बड़े नेता अपनी संतानों को राजनीति में 'फिट' करना चाह रहे हैं। यहां भी वे इस बात की कोई परवाह नहीं करते कि उनके इस कार्य को अनैतिक माना जायेगा। राजनीतिज्ञ की संतान का राजनीति में आना कतई ग़लत नहीं है। ग़लत तो यह है कि राजनेता अपनी गद्दी को विरासत में देना अपना अधिकार समझने लगे हैं। और नेता-संतानें भी पिता की गद्दी पर अपना अधिकार समझती हैं। नेताओं और उनकी संतानों का यह कथित अधिकार अनैतिक है। जनतंत्र हर एक को अपनी योग्यता-क्षमता प्रमाणित करने का अवसर देता है। पर यह क्षमता-योग्यता विरासत में नहीं मिलती। यह बात हमारे राजनेताओं और मतदाताओं, दोनों को प्रमाणित करनी होती है। रातो-रात पाला बदलना जहां एक ओर व्यक्ति की सत्ता-लोलुपता को उजागर करता है वहीं सिद्धांतहीन राजनीति उस खतरे का भी संकेत देती है जो जनतांत्रिक व्यवस्था और सोच के सामने आ खड़ा हुआ है। इस खतरे का अहसास और मुकाबला, राजनेताओं को नहीं, जनता को करना है। जनता यानी मैं और आप। हमें अपने आप से पूछना होगा कि क्या हम इस मुकाबले के लिए तैयार हैं?

मिलावट का धंधा, कभी नहीं मंदा

धर्मेंद्र जोशी

जैसे-जैसे त्योहारों की वेला निकट आती है, खाद्य विभाग का अमला मिलावट रोकने के लिए एक्शन मोड में आ जाता है। साल भर यह वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौन व्रत धारण कर लेता है, जिससे मिलावटखोर बेखौफ होकर मिलावटी और नकली वस्तुओं का धंधा करते हैं। जब खाद्य विभाग छापेमारी करता है, तो उनकी दुकानदारी बंद नहीं होती बल्कि चांदी के जूते छापा मारने वालों का मुंह साल भर के लिए बंद कर देते हैं।

पिछले दिनों नकली मावे की शिकायत पर शहर की नामी मिठाई की दुकान 'ठग्गू स्वीट्स' पर छापे की कार्रवाई की गई, मिठाई के नमूने लिए गए। सभी अखबारों में प्रमुखता से खबर भी प्रकाशित की गई, जिससे लोगों में यह आस बंधी कि मिलावटखोरी पर नकेल लगेगी, मगर दो दिनों के बाद भी मिठाई की क्वालिटी और साफ़ सफ़ाई में तो कोई बदलाव नहीं आया वरन? दुकान के मालिक ठग्गूमल का चेहरा पहले से ज्यादा चमकदार हो गया। फिलहाल 'लेन देन' ही संसार का नियम है और ठग्गूमल इसी नियम में पारंगत हैं।

उधर, कभी परचून की छोटी सी दुकान से शुरुआत करने वाले झमक सेठ शहर का रसूखदार नाम है। उनके खिलाफ धनिया पाउडर में भूसा, लाल मिर्ची में ईंट का बुरादा, हल्दी में रासायनिक रंग और जीरे में बारीक कंकर मिलाने की शिकायत की गई। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उनकी दुकान से खाद्य सामग्री के लिए गए सारे नमूने पास हो गए। इस पाक-साफ रिपोर्ट के बाद वे अब बहुत बड़े शापिंग माल का संचालन कर रहे हैं। जब सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का।

दूध देने वाले जानवरों की संख्या में लगातार कमी हो रही है, लेकिन जादुई तरीके से दूध की श्वेत सरिता बह रही है। बड़े शहरों में तो दूध के नाम पर पता नहीं क्या बेचा जा रहा है? पहले तो दूध में केवल पानी की ही मिलावट की जाती थी, लेकिन अब तो यूरिया और जहरीले रसायन से नई पीढ़ी को गर्त में धकेलने की पुरजोर कोशिश जारी है। बल्कि मिलावटखोरों ने भगवान को इसकी ज़द में ले लिया है। मिलावटी दूध से अभिषेक, सस्ते नकली घी से पूजा अनुष्ठान और नकली अगरबत्ती से भगवान को प्रसन्न करने के के जतन किए जा रहे हैं।

मिलावट का धंधा इतना जोरों पर है लेकिन चारों तरफ खामोशी है। खुलेआम बिना किसी रोक टोक के विषैले फल, सब्जियां और पेय पदार्थ बिक रहे हैं। मगर संवेदनहीनता और लालच का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। वैसे आजकल मिलीभगत से मिलावट में ही बढ़त है, बाकी चारों तरफ गिरावट ही जारी है।

सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस से पूरे देश को सुरक्षा कवच

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों अंतरिक्ष से भारत की निगरानी प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए, सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने अंतरिक्ष आधारित निगरानी के तीसरे चरण को मंजूरी दे दी है। इसके तहत पृथ्वी की निचली और भूस्थिर कक्षाओं में जासूसी उपग्रहों का एक बड़ा समूह लॉन्च किया जाएगा। प्रस्ताव में निगरानी के लिए लो अर्थ ऑर्बिट और भूस्थैतिक कक्षा में 52 उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल है। कुल 26,968 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत इसरो की ओर से 21 उपग्रहों का निर्माण व प्रक्षेपण होगा। बाकी 31 सैटेलाइट्स की जिम्मेदारी निजी कंपनियों के पास होगी।

अंतरिक्ष आधारित निगरानी (सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस यानी एसबीएस) 1 की शुरुआत साल 2001 में वाजपेयी सरकार के कार्यकाल में हुई थी। इसमें निगरानी के लिए 4 उपग्रहों (कार्टोसैट 2ए, कार्टोसैट 2बी, इरोस बी और रिसैट 2) का प्रक्षेपण शामिल था। एसबीएस 2 के तहत साल 2013 में 6 उपग्रहों (कार्टोसैट 2सी, कार्टोसैट 2डी, कार्टोसैट 3ए, कार्टोसैट 3बी, माइक्रोसैट 1 और रिसैट 2ए का लॉन्च शामिल था।

ऐसे समय में जब देश पाकिस्तान के साथ पश्चिमी सीमा, चीन के साथ उत्तरी सीमा पर सुरक्षा चिंताओं और हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी जासूसी जहाजों और पनडुब्बियों द्वारा बढ़ती समुद्री निगरानी का सामना कर रहा है, एसबीएस 3 के तहत अगले पांच साल में 52 उपग्रह लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। जो भारत में 'आसमान से नजर रखने वाली आंखों' की संख्या में वृद्धि करेंगे, जिससे भारत की भूमि और समुद्री सीमाओं की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणाली को बल मिलेगा। तीनों सर्विसेज के पास अपने भूमि, समुद्र या वायु-आधारित मिशनों के लिए उपग्रह होंगे। उपग्रह मौसम या वायुमंडलीय स्थितियों से अप्रभावित होकर लगातार कार्य करेंगे, जिससे अंतरिक्ष में स्थितियों व वस्तुओं की निरंतर निगरानी होगी। नए उपग्रह अंतरिक्ष में उपग्रहों का अधिक सटीक रूप से पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करेंगे।

सैटेलाइट का नया बेड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगा, जो पृथ्वी पर 'भू-खुफिया' जानकारी एकत्र करने के लिए अंतरिक्ष में

एक-दूसरे के साथ संपर्क में रहेगा। इससे हमारे उपग्रहों के बीच संचार होगा, ताकि अगर कोई उपग्रह 36,000 किमी की ऊंचाई पर जिओ (जियोसिंक्रोनस इक्वेटोरियल ऑर्बिट) में कुछ पता लगाता है, तो वह निचली कक्षा (400-600 किमी की ऊंचाई पर) में दूसरे उपग्रह से अधिक सावधानी से जांच करने और फिर हमें अधिक जानकारी देने के लिए कह सकता है। यह क्षमता निगरानी तंत्र को बहुत विशिष्ट बनाती है। वर्तमान में भारत में संचार सेवाओं के लिये 200 से अधिक ट्रांसपोंडरों का उपयोग हो रहा है। इन उपग्रहों के माध्यम से भारत में दूरसंचार, टेलीमेडिसिन, टेलीविज़न, ब्रॉडबैंड, रेडियो, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव अभियान जैसी सेवाएं प्रदान कर पाना संभव हुआ है। फिलहाल भारत का ध्यान उन क्षमताओं को हासिल करने पर है जो इंडो-पैसिफिक में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगा सकें। साथ ही, सीमा से लगे जमीनी और समुद्री इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण को ट्रैक कर सकें। एसबीएस -3 मिशन को अमेरिका स्थित जनरल एटॉमिक्स से 31 प्रीडेटर ड्रोन के भारतीय अधिग्रहण में मदद मिलेगी। इस प्लेटफॉर्म में वेपन पैकेज के अलावा बहुत शक्तिशाली निगरानी क्षमताएं हैं। भारत ने 29 मार्च, 2019 को टेस्ट फायरिंग के जरिए अपनी एंटी-सैटेलाइट क्षमताओं का परीक्षण किया, जब भारतीय मिसाइल ने कक्षा में जीवित उपग्रह को नष्ट कर दिया था।

वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग का आकार 350 बिलियन डॉलर है। इसके वर्ष 2025 तक बढ़कर 550 बिलियन डॉलर होने की संभावना है। इस प्रकार अंतरिक्ष एक महत्वपूर्ण बाज़ार के रूप में विकसित हो रहा है। इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं किंतु भारत का अंतरिक्ष उद्योग 7 बिलियन डॉलर के आसपास है, जो वैश्विक बाजार का केवल 2 प्रतिशत ही है। भारत के अंतरिक्ष उद्योग के इस आकार में ब्रॉडबैंड तथा डीटीएच सेवाओं का हिस्सा करीब दो-तिहाई है।

हाल के नीतिगत सुधारों के बावजूद, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अभी भी सरकारी संस्थाओं का ही प्रभुत्व बना हुआ है। हालांकि स्काईरूट एयरोस्पेस और अग्निकुल कॉसमॉस जैसे स्टार्टअप ने प्रगति की है, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अंतरिक्ष क्षेत्र में शैक्षिक संस्थानों, उद्योग और सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल अभी भी अपर्याप्त है। यद्यपि विश्वविद्यालयों के साथ इसरो की संलग्नता बढ़ी है, फिर भी इसका दायरा एवं पैमाना अभी सीमित ही है। निजी भागीदारी को तेज़ी से बढ़ाने के लिये एक अंतरिक्ष क्षेत्र रूपांतरण कार्यक्रम क्रियान्वित किया जाना चाहिए। अंतरिक्ष से संबंधित लाइसेंसिंग और अनुमोदन के लिये एक वन-स्टॉप-शॉप की स्थापना की जाए। निवेश आकर्षित करने के लिये कर प्रोत्साहन और सरलीकृत विनियमनों के साथ अंतरिक्ष उद्यम क्षेत्रों का सृजन किया जाए। इसरो की सुविधाओं और विशेषज्ञता को निजी संस्थाओं के साथ साझा करने के लिये एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल का विकास किया जाना चाहिए।

बहरहाल, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हालिया वर्षों में ऐसी कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसने अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी कहे जाने वाले अमेरिका और रूस जैसे देशों को भी चौंकाया है। कुल मिलाकर सैटेलाइट बेस्ड सर्विलांस से सशस्त्र बलों की प्रत्येक शाखा के पास अपने विशिष्ट संचालन के लिए समर्पित उपग्रह होंगे।

हर घर दीवाली अभियान के तहत प्रशासन का नवाचार...

जरूरतमंदों के घर पहुंची जिला पंचायत सीईओ, बस्तियों में बांटी मिठाई व सामग्री

अशोकनगर (चम्बल नवराष्ट्र)। हर घर दिवाली अभियान के तहत संसाधन विहीन बस्तियों में रहने वाले लोगों के घरों में भी दीपावली पर्व अच्छे से मनाया जा सके, इसके लिए प्रशासन ने नवाचार प्रारंभ किया है। कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने अधिकारियों को गरीब बस्तियों में जाकर जरूरतमंद लोगों को सामग्री प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन अशोकनगर जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत राजे बामोरा की मुसायदा सहारिया बस्ती में पहुंची जहां उन्होंने दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में लोगों को फल, मिठाई पूजन सामग्री एवं आतिशबाजी की सामग्री का वितरण किया। इसके साथ ही उन्होंने सहरिया बस्ती के सभी लोगों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। हर घर दीवाली अभियान के तहत जिला पंचायत एसीईओ एन.एस. नरवरिया, जिला कोषालय अधिकारी अधिकारी रविन्द्र सूर्यवंशी ,सहायक कोषालय अधिकारी अशोक राणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा बस्तियों में पहुंचकर सामग्री वितरित की गई।

रतलामी स्वीट्स पर लगाया ढाई हजार का जुर्माना

गुना। अपर कलेक्टर (ADM) ने खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के साथ मिलकर बुधवार को चार खाद्य प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान किसी मिठाई की दुकान में गंदगी मिली तो किसी में चीटे और कीड़े तक मिले। नाराज अधिकारियों ने जुर्माना लगाकर साफ-सफाई रखने की हिदायत दी।

जानकारी के अनुसार, ADM अखिलेश जैन के नेतृत्व वाली टीम ने चार प्रमुख मिठाई विक्रेताओं की निर्माण यूनिट राजश्री स्वीट्स, रतलामी स्वीट्स, बीकानेर मिष्ठान भण्डार एवं शिमला स्वीट्स दुकानों और कारखानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। चारों दुकानदारों में से किसी के भी यहां कर्मचारियों ने सिर पर कैप, एप्रेन, ग्लव्स आदि नहीं लगा रखे थे।

जांच टीम सबसे पहले रतलामी स्वीट्स पहुंची। गुलाब जामुन, मावा, मलाई बर्फी, नमकीन के सैंपल लिए। साथ ही गंदगी मिलने पर तत्काल 2500 रुपए का जुर्माना लगा दिया। बीकानेर मिष्ठान भण्डार से मावा बर्फी, बेसन के लड्डू के सैंपल लिए। टीम निरीक्षण के दौरान शिमला स्वीट्स के कारखाने में भी पहुंची, जहां रसगुल्ला के भगोनों में चीटे और उड़ने वाले कीड़े मिले। इन रसगुल्लों को मौके पर ही नष्ट करावाया गया। दुकान संचालक को साफ-सफाई रखने की हिदायत दी। जांच टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रवि शिवहरे, नवीन जैन, लखन लाल कोरी, नपा से शकील खान शामिल रहे।

दीपावली त्यौहार को देखते हुए खाद्य विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई

मिठाई दुकानों से खाद्य विभाग ने लिए नमूने

अशोकनगर (चम्बल नवराष्ट्र)। दीपावली पर्व पर आम नागरिकों की सेहत का ध्यान रखते हुए खाद्य विभाग की नजर शहर की मिठाई दुकानों पर है।खाद्य विभाग खाद्य पदार्थों की जांच के लिए होटलों पर मिठाई दुकानों पर छापामार कार्रवाई कर नमूने ले रहा है। बुधवार को कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी के निर्देश पर मुंगावली एसडीएम आर.बी. सिण्ड्रोसकर के नेतृत्व एवं तहसीलदार दीपक यादव के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी लीना नायक द्वारा संयुक्त जांच कार्यवाही की गई। निरीक्षण कार्यवाही के दौरान बीकानेर

मिष्ठान भंडार से मिल्फ केक, बेसन बर्फी, चाकलेट बर्फी, मामा गजक तथा नमकीन से मावाबाटी, मावा गुझिया तथा ग्वाल मिष्ठान भंडार से मावा, गुलाब जामुन तथा चमचम के नमूने एकत्र किये गये। सभी सभी नमूनो को जांच हेतु राज्य शासन द्वारा अधिकृत प्रयोगशाला में जांच हेतु पहुंचाये गये है। रिपोर्ट आने के उपरांत प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी ।

दो थानों के थाना प्रभारी सहित पांच की अदला-बदली:नईसराय में पुनीत दीक्षित, कचनार थाने की कमान पूनम सैलर को सौंपी

अशोकनगर। अशोकनगर पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने मंगलवार की देर शाम दो थानों के थाना प्रभारी सहित पांच लोगों की अदला-बदली की है। पुनीत दीक्षित को विक्रमपुर चौकी से नईसराय थाने का थाना प्रभारी बनाया है।वहीं, नईसराय थाने से आशुतोष गुप्ता को पुलिस लाइन में भेजा है। कुछ दिनों से खाले पड़े कचनार थाने की कमान कोतवाली में पदस्थ सब इंस्पेक्टर पूनम सैलर को सौंप दी गई है। इसके अलावा एएसआई अजय तिवारी को पुलिस लाइन से कोतवाली थाने में भेजा है। जबकि नईसराय थाने से आरक्षक सुदीप भार्गव को पुलिस लाइन भेज दिया है।

अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों को दी सम्मानपूर्वक विदाई

अशोकनगर (चम्बल नवराष्ट्र)। शासकीय सेवा से अक्टूबर माह में सेवानिवृत होने वाले 15 शासकीय सेवकों का सम्मान समारोह बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा द्वारा सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को शॉल, श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई गई। सम्मान समारोह में अपर कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्त शासकीयकर्मी आने वाले दूसरे पड़ाव के अमूल्य क्षण अपने परिवार एवं समाज की सेवा में दें। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ प्रसन्नचित होकर समाज की भलाई के काम करें। साथ ही अपने स्वास्थ्य एवं शरीर पर

विशेष ध्यान दें। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

यह कर्मचारी लेंगे शासकीय सेवा से विदाई

सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों में इन्द्रपुरी गोस्वामी एवं क्रिपान सिंह यादव पुलिस अधीक्षक कार्यालय, प्रदीप दुबे भू-अभिलेख कार्यालय, भगवान सिंह जम्होरिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, मिलिन्द भगत सिविल सर्जन अशोकनगर कार्यालय, महेन्द्र सिंह रघुवंशी, अशोक कुमार रघुवंशी एवं समर्थ सिंह रघुवंशी बीईओ अशोकनगर कार्यालय, अरूण कुमार तिवारी बीईओ चंदेरी कार्यालय, मुरारीलाल सोनी, श्रीमती आशा जैन एवं राकेश कुमार बांझल बीईओ कार्यालय मुंगावली, श्रीमती शीला भार्गव बीईओ कार्यालय ईसागढ़ तथा ऋषम कुमार जैन भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय मुंगावली को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार माह सितम्बर 2024 के सेवानिवृत्त 05 कर्मचारियों को पीपीओं प्रदाय किया गया।

कलेक्ट्रेट में स्व-सहायता के लोगों ने लगाई दुकान

कलेक्टर सहित अधिकारियों ने खरीदारी की, वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया

अशोक नगर। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में वोकल फॉर लोकल के संदेश देते हेतु कलेक्ट्रेट अशोकनगर में जिले के स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित किये गये उत्पादों की दुकान लगाई गई। कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने सहपरिवार के साथ बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को क्रय किया। इस दौरान उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि वोकल फॉर लोकल के लिए जिले के कारीगरों द्वारा बनाये गये स्थानीय उत्पादों का क्रय करें। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। इस दौरान राधिका स्वसहायता समूह के दिलीप प्रजापति एवं

लक्ष्मी प्रजापति से 1025 रूपये के दीये लिये,गतिमान स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती अंजो सिंह से 100 रूपये की फूलवत्ती ली,कृष्णा स्वसहायता समूह की दीदी बृजोबाई प्रजापति से 150 रूपये की मिट्टी से बनी लक्ष्मी माता जी की मूर्ति ली।साथ ही अरूण प्रजापति से 200 रूपये में 20 पट लक्ष्मी माता जी के क्रय किये। कलेक्ट्रेट में राधिका स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित किये गये दीपक,धूपड, लक्ष्मी जी की मूर्ति,कृष्णा स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित की गई लक्ष्मी जी की मूर्ति, राधिका स्व सहायता समूह द्वारा लक्ष्मी जी की तस्वीर, गतिमान स्व सहायता समूह द्वारा धूपबत्ती, दीये की बाती, जीवन ज्योति स्व सहायता समूह द्वारा दोना पत्तल, महाकाली स्व सहायता समूह द्वारा फूल माला,कलापत समूह चंदेरी द्वारा चंदेरी साड़ी,श्री गुरुजी स्वयं सहायता समूह द्वारा सब्जी की दुकान लगाई। इस अवसर पर श्रीमती स्वाति द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ.नेहा जैन,अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एन.एस. नरवरिया, अशोकनगर एसडीएम श्रीमती शुभ्रता त्रिपाठी सहित जिला अधिकारियों ,कलेक्ट्रेट के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा सामग्री क्रय की गई।

निर्वाचक नामावली का किया गया 29 अक्टूबर को किया गया प्रारूप प्रकाशन..

गुना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के कार्यक्रम अंतर्गत 29 अक्टूबर को निर्वाचक नामावली के प्रारूप का प्रकाशन किया गया ! इसी दिन से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन करवाने और नाम हटवाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जावेगी । ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। नाम जुड़वाने, हटवाने और संशोधन की प्रक्रिया के बारे में अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक होकर, मतदाता सूची में अपने नाम जुड़वाएं। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुर्नरीक्षण कार्यक्रम अनुसार दावे आपत्तियों से संबंधित आवेदनों की प्राप्ति कार्य 29 अक्टूबर से शुरू हो गई हैं और आवेदन की अंतिम तिथि 28 नवम्बर तक जारी रहेगी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम तहत चार विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। नवम्बर माह में विशेष शिविरो का आयोजन जारी तिथि अनुसार क्रमशः 9, 10 और 16, 17 नवम्बर को आयोजित होंगे।

सड़क पर मवेशियों से टकराई बाइक, इलाज के दौरान युवक की हुई मौत, एक घायल

अशोकनगर। नईसराय थाना क्षेत्र के डुंगासरा गांव के पास अचानक से सड़क पर मवेशी आने से बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई थी। जिसके कारण से बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गए थे, जिनमें से एक 25 साल के युवक की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार को जिला अस्पताल में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक युवक प्रमोद पुत्र फूलन आदिवासी उम्र 25 वर्ष डोंगरपुर थाना कोलारस जिला शिवपुरी जो मजदूरी का काम करता था। दीपावली के त्योहार के लिए नईसराय से कपड़े लेकर अपने घर डोंगरपुर के

लिए जा रहा था। उसके साथ 20 वर्षीय युवक राकेश आदिवासी भी था। मंगलवार रात करीब 8 बजे जैसी ही डुंगासरा गांव के पास पहुंचे तो इसकी बाइक मवेशी से टकरा गई। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान रात 3 बजे युवक की मौत हो गई।

दीपोत्सव : दूसरे दिन रहा रूप चतुर्दशी का उल्लास

गुना। रूप लावण्य के लिए सूर्योदय के समय उबटन लगाकर तेल तिल से स्नान कर भगवान श्रीकृष्ण का पूजन किया गया। अकाल मृत्यु के भय से निजात के लिए यम देवता का पूजन कर प्रदोषकाल में दीप दान भी किया जाएगा। ज्योतिर्विदों के अनुसार इस दिन सुबह उबटन और तिल्ली का तेल शरीर में लगाकर शुद्ध जल से स्नान का महत्व बताया गया है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण का पूजन भी किया जाता है। संध्या के समय दीपदान करते हैं। दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए 14 दीपक लगाने का विधान है। मान्यता है कि विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। उल्लेखनीय है कि इस बार दीपावली पर तिथियों का संशय बना हुआ है। ऐसे में बुधवार सुबह भी कई घरों में

धनतेरस मनाई गई। वहीं सबसे बड़ी दुविधा दीपावली को लेकर है। गुरुवार शाम से शुरू होने अमावस्या शुक्रवार शाम तक रहेगी। ऐसे में कहीं गुरुवार को तो कहीं शुक्रवार को दीपावली मनेगी।

इसके पूर्व बुधवार को रूप चौदस पर शाम को पूजा अर्चना के बाद छोटी दीपावली मनाई गई। बाजारों में दूसरे दिन भी भारी भीड़ उमड़ी। रूप चौदस के मौके पर सुबह से ही ब्यूटी पार्लरों में भारी भीड़ रही जो शाम तक थी। दोपहर बाद तो ब्यूटी पार्लरों में खड़े होने की जगह नहीं थी। संचालकों ने कई ग्राहकों को वापस लौटा दिया। ब्यूटी पार्लर संचालिकाओं ने बताया कि रूप चौदस के लिए महिलाओं ने पूर्व से ही बुकिंग करा रखी थी। बुधवार सुबह से ही भारी भीड़ रही। श्रृंगार के लिए इस दिन का विशेष महत्व होता है। मु य रूप से आईब्रो व ब्लीच की

मारकी महू में किराने की दुकान पर बिक रही थी लाखों की आतिशबाजी

गुना। जिले की सिरसी थाना पुलिस द्वारा दर्जनों कार्टून एवं प्लास्टिक के कट्टों में 3.50 लाख रुपए से अधिक की आतिशबाजी बरामद की है। यह आतिशबाजी मारकी महू बस स्टेंड पर एक किराने की दुकान में बेची जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मार की महू में बस स्टेण्ड के पास शिवम गोयल नाम के व्यक्ति की किराने की दुकान है। उक्त व्यक्ति ने अपनी दुकान में बहुत सारे आतिशबाजी पटाखे बेचने के लिये रखे हैं। उक्त सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी तो एक किराने की दुकान पर मुखबिर के बताये अनुसार एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। जो पुलिस को देखकर दुकान के अन्दर छुपने लगा। जिसे पुलिस ने पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम शिवम गोयल पुत्र महेन्द्र गोयल निवासी ग्राम विशनबाड़ा थाना बमोरी हाल

निवासी न्यू सिटी कॉलोनी गुना बताया। उक्त व्यक्ति से अतिशबाजी पटाखों के संबंध में पूछताछ करने पर इधर-उधर की बाते करने लगा। स ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह जिला बांरा (राजस्थान) के अतिशबाजी पटाखों के बड़े व्यापारी से पटाखे 10-15 दिन पहले दिपावली पर बेचने के लिए लाया था, जो उसने दुकान व दुकान के अन्दर गोदाम में छुपाकर रखे हैं। उक्त व्यक्ति के बताये अनुसार दुकान व दुकान के अन्दर देखने पर दुकान व दुकान के अन्दर गोदाम में से 13 कार्टून, 9 प्लास्टिक के कट्टों में विभिन्न प्रकार के आतिशबाजी पटाखे मिले। जिन्हें विधिवत जप्त किए। जप्त आतिशबाजी पटाखों की कीमत करीबन 3.5 लाख रुपये है। पुलिस ने आरोपी पर मामला दर्ज किया है।

बीनागंज में एसडीएम, पुलिस ने की कार्रवाई-इसी तरह जिले की चांचौड़ा थाना पुलिस द्वारा एसडीएम, नायब तहसीलदार एवं नपा अधिकारियों के नेतृत्व में खातोली रोड बीनागंज में रहवासी क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां एक मकान के नीचे संचालित दुकान से पुलिस और राजस्व टीम ने एक दर्जन से अधिक कट्टों में बड़ी संया में आतिशबाजी बरामद की। इस दौरान एक कट्टा देशी बने बम, 10 किलो गंधक मिला विस्फोटक सहित कुल 10500 रुपए की आतिशबाजी बरामद की। मामले में पुलिस ने आरोपी अनवर खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जिला चिकित्सालय सहित जिले भर की स्वास्थ्य संस्थाओं में आयुर्वेद दिवस मनाया

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए खास रहा। इस दिन एक तरफ जहां यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''आयुर्वेदा दिवस'' पर राज्य भर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, फार्मास्यूटिकल विभाग एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम की परियोजनाओं का वर्चुअल रूप में शुभारंभ किया। इस मौके पर राज्य सहित जिले और विकासखण्ड स्तर तक के समस्त कर्मचारी और आमजन शामिल हुए और कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा।

डॉ. आर.बी. कुरेले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में जिला चिकित्सालय दतिया के अलावा जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र द्वारा ऑनलाईन उपस्थिति दी गई। जिसमें प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर 60 से 70 प्रतिभागियो की

उपस्थिति दर्ज की गई। शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य संबंधी कई गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम में डॉ. के.सी. राठौर सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक, डॉ. डी.एस. तौमर आर.एम.ओ., संजय सिसौदिया नर्सिंग ऑफीसर के अलावा अन्य संस्थाओं के स्वास्थ्य कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम से पूर्व आरोग्य मंदिर संचालन प्रभारी को ऑनलाइन लिंक के साथ यूजर-आईडी और पासवर्ड पृथक-पृथक साझा किये गये। कार्यक्रम के दौरान निर्देश मिलते ही पोर्टल पर 60 वर्ष या उससे अधिक व्यक्तियों की असंचारी रोगों (डायबिटीज, हाईपरटेंशन, ओरल, सर्वाईकल एवं ब्रेस्ट कैंसर) की स्क्रीनिंग करने के पश्चात् एंट्री की गई।

कार्यक्रम आयोजन के अंत में वेलनेस गतिविधि का आयोजन करते हुए जनसमुदाय को आयुष विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। टी.बी. एवं अन्य संचारी रोगों की स्क्रीनिंग के साथ ही नि:शुल्क जांच और दवाओं का वितरण किया गया।

सुशासन दिवस पर ली शपथ

जिले में विभिन्न रोगों से प्रभावित रोगियों को समुचित स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा अन्य सहायता मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए आर.एम.ओ. डॉ. तौमर ने सुशासन दिवस पर सभी स्वास्थ्यकर्मियों को शपथ दिलाई।

म.प्र. स्थापना दिवस जिले में भव्यता के साथ मनाया जाएगा

स्थापना दिवस 5 नवम्बर को आयोजित होगा

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)- कलेक्टर संदीप कुमार माकिन ने मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा दिए गए निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेश के प्रत्येक जिले में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस जिले में भव्यता के साथ मनाए जाने हेतु जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए है कि दतिया में 5 नवम्बर 2024 को सिविल लाइन हाईस्कूल दतिया में दोहपर 2.30 बजे से स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

जारी निर्देशों में जिला शिक्षा अधिकारी दतिया को कहा गया है कि वह 5 नवम्बर 2024 को सिविल लाइन हाईस्कूल दतिया में समय पूर्व कार्यक्रम स्थल पर सभी तैयारियॉ पूर्ण कर लें। इसीक्रम में कार्यक्रम आयोजित करने हेतु कलेक्टर माकिन ने प्रभारी अपर कलेक्टर नीरज शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उनके सहयोग हेतु सहायक नोडल अधिकारी के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा को नियुक्त किया है। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, टेंट लाईट, माईक, कुर्सी, बैठक व्यवस्था एवं अन्य समस्त व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी दतिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसीक्रम में कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास दतिया को अतिथियों को निमंत्रण पत्रों के मुद्रण करवाकर आमंत्रित कराने की जिम्मेदारियां सौपी गई है। इसीक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी दतिया शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों से समन्वय कर तैयार प्रतिभागियों के नाम एवं उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूची पूर्व से ही तैयार कर प्रभारी अपर कलेक्टर दतिया को प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम स्थल पर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दतिया आमंत्रित अतिथियों एवं स्टेज पर पेयजल व्यवस्था विभाग द्वारा की जाएगी। इसीक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दतिया द्वारा कार्यक्रम स्टेज पर बैठक व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में डीपीएम ग्रामीण आजीविकास मिशन दतिया द्वारा ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित/उत्पादित सामग्री की प्रदर्शिनी लगाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दतिया द्वारा कार्यक्रम स्थल पर अकास्मिक चिकित्सा एवं एम्बुलेंस आदि की व्यवस्था की जाएगी। इसीक्रम में समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जिला दतिया द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम पर जिले में स्थित विभिन्न महापुरूषों की साफ-सफाई एवं माल्यार्पण कराया जाएगा। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक दतिया द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में पुलिस बैंड की प्रस्तुति देगा।

पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्र ने ली सक्रिय सदस्यता

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर सक्रिय सदस्यता अभियान की बैठक का आयोजन किया गया। जिसे प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने संबोधित किया और उन्होंने कहा कि पार्टी की मंशा के अनुसार जिन कार्यकर्ताओं ने 50 सदस्य बनाये हैं। उन सभी को सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान प्रारंभ किया गया है। सभी कार्यकर्ता जिन्होंने पार्टी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया है । सक्रिय सदस्यता के पात्र हैं ।उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की चिंता करना सभी हम सभी का दायित्व है। कोई भी कार्यकर्ता अपने आप को कमजोर महसूस ना करें । कार्यकर्ता के सुख दुख की घड़ी में हमेशा उनके परिवार के साथ हूं।

सक्रिय सदस्यता अभियान के अंतर्गत नगर अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का सक्रिय सदस्यता का आवेदन भरा इसके साथ ही पार्टी के वरिष्ठ एवं सभी कार्यकर्ता जिन्होंने 50 सदस्य बनाए हैं उनकी सक्रिय सदस्यता का आवेदन लिया गया।

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता पंकज शुक्ला रामदास झस्या विपिन गोस्वामी जिला पंचायत अध्यक्ष धीरू दांगी नगर पालिका अध्यक्ष प्रशांत ढेंगुला जनपद अध्यक्ष बृजेश यादव मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता प्रवीण पाठक जगदीश यादव रघुवीर कुशवाहा गोविंद ज्ञानानी पप्पू पुजारी पुनीत टिलवानी योगेश सक्सैना मानसिंह कुशवाहा भूरे चौधरी मीनाक्षी कटारे अमित सेन एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भिंड में 35 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

भिंड। भिंड के अटेर में एक 35 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हुलापुरा गांव निवासी मुकेश सिंह जाटव (35) ने मंगलवार रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बारे में पता लगते ही परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को नीचे उतरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। जांच अधिकारी ने कहा कि वे आत्महत्या के कारणों की पड़ताल कर रहे हैं।

उत्साह एवं उमंग के साथ आज मनाया जाएगा दीपोत्सव

मुरैना। दीपों का त्योहार दीपावली का महापर्व आज गुरूवार को देशभर के साथ मुरैना जिले में भी उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाएगा। लोगों द्वारा घरों में साफ-सफाई पुताई के बाद अब सजावट का दौर शुरू हो गया है, वहीं मिष्ठान की दुकानें सज गई हैं। महालक्ष्मी की पूजा के लिए 2 दिन से बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है एवं आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी जोरों पर चल रही है।उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह में अमावस्या तिथि को दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। पूरे भारत में इस पर्व का अलग ही हर्ष और उल्लास देखने को मिलता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। हिंदू धर्म में दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। साथ ही कहा जाता है कि दीवाली

के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में लोगों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है। इस दिन लोग दीपक जलाकर खुशियां मनाते हैं।

इस साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर और 01 नवम्बर दोनों दिन पड़ रही है। लेकिन 31 अक्टूबर को प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट से 08 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। इसलिए इस साल 31 अक्टूबर को ही पूरे देश में दीवाली का पर्व मनाया जाएगा। शास्त्रों के आधार पर दिवाली को लक्ष्मी पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है। इसमें भी स्थिर लग्न की प्रधानता होती है। इस काल में स्वाति नक्षत्र का योग भी बनता है। अत: दिवाली की पूजा वृष, सिंह और कुंभ लग्न में करना उत्तम रहता है। वृष लग्न शाम 06 बजकर 25 मिनट से रात 08 बजकर 20 मिनट तक है. स्थान के आधार पर यह समय कम या ज्यादा भी हो सकता है।

दिवाली पर शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश की पूजा विधि पूर्वक की जाती है। पहले कलश को तिलक लगाकर पूजा आरम्भ करें। इसके बाद अपने हाथ में फूल और चावल लेकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का ध्यान करें। ध्यान के पश्चात भगवान श्रीगणेश और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर फूल और अक्षत अर्पण करें। फिर दोनों प्रतिमाओं को चौकी से उठाकर एक थाली में रखें और दूध, दही, शहद, तुलसी और गंगाजल के मिश्रण से स्नान कराएं। इसके बाद स्वच्छ जल से स्नान कराकर वापस चौकी पर विराजित कर दें। स्नान कराने के उपरांत लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा को टीका लगाएं। माता लक्ष्मी और गणेश जी को हार पहनाएं। इसके बाद लक्ष्मी गणेश जी के सामने बताशे, मिठाइयां फल, पैसे और सोने के आभूषण रखें। फिर पूरा परिवार मिलकर गणेश जी और लक्ष्मी माता की कथा सुनें और फिर मां लक्ष्मी की आरती उतारें।

भिंड में जाम में फंसे रहे शहरवासी

700 मीटर के रास्ते में 45 मिनट तक रेंगता रहा ट्रैफिक; टीआई बोले- नपा कर्मचारियों ने अनदेखी की

भिंड। भिंड शहर में छोटी दिवाली पर शहर की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिली। बुधवार को पुस्तक बाजार से संतोषी माता मंदिर तक करीब 700 मीटर की दूरी तय करने में लोगों को 45 मिनट लगे।

भिंड शहर में त्यौहार के सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने को लेकर ई-रिक्शा का रूट डायवर्ट किया गया है। ई-रिक्शा को डॉक्टर लेन से डायवर्ट करते हुए पुस्तक बाजार और सब्जी मंडी होकर संतोषी माता से अग्रसेन तिराहे की ओर निकाला जा रहा था।

ऐसे में अत्याधिक वाहन इस रूट पर आने के कारण जाम लगने लगा। जाम लगने की एक प्रमुख वजह यह भी है कि इस रूट पर दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर स्टॉल लगाकर

सामान रखा हुआ है। रूट का मार्ग संकरा हो गया था, जिससे वाहन चालक अपने वाहनों के साथ फंस रहे।

जाम के बारे में वाहन नितीश भारद्वाज ने बताया कि ट्रैफिक सुधार को लेकर कोई इंतजाम नहीं किया गया है। दुकानों के बाहर लगे स्टॉल को हटाए जाने के लिए पुलिस की ओर से नगर पालिका द्वारा कोई इंतजाम नहीं किए गए इस कारण से लोगों को जाम में फंसना पड़ा।

इधर भिंड शहर बस स्टैंड पर भी जाम लगता रहा। जाम के कारण बस स्टैंड की ट्रैफिक व्यवस्था फेल हो गई। यहां पर भी जाम से निजात दिलाने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम देखने को नहीं मिले। इस पूरे मामले में ट्रैफिक थाना प्रभारी राघवेंद्र भार्गव का कहना है कि ई रिक्शा का रूट डायवर्ट किया गया था। इस बात की जानकारी नगर पालिका को थी। नगर पालिका को दुकानों के बाहर स्टॉल लगाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की जानी थी, परंतु कर्मचारी अनदेखा करते रहे।

पुलिस थाना सिरसौद द्वारा अवैध हथियार अधिया 315 बोर के साथ हिस्ट्रीशीटर आरोपी को किया गिरफ्तार

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड के निर्देशन में बीती रात्रि में थाना प्रभारी सिरसौद उपनिरीक्षक मुकेश दुबोलिया को मुखबिर द्वारा एक व्यक्ति के अवैध हथियार सहित किसी बारदात को अंजाम देने की नीयत से खड़े होने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मूले एंव एसडीओपी पोहरी सुरजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिरसौद उनि. मुकेश दुबोलिया के द्वारा तत्काल अपनी टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर दबिश देकर यात्री प्रतिक्षालय उर्जा-खौरपार रोड पर एक व्यक्ति को पकडा जिसने सीताराम परिहार पुत्र जनवेद परिहार उम्र 40 साल निवासी ग्राम हुसैनपुर थाना बैराड का होना बताया जिसकी तलाशी ली गई तो कमर में एक 315 बोर की देशी लोडेड अधिया रखी मिली, जिसे जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

भिंड के बरासों में युवक को गोली लगी

भिंड। भिंड जिले के बरासो थाना क्षेत्र के सिंदूरिया गांव में दो पड़ोसियों में हो झगड़े को देखने गांव का एक युवक पहुंचा तभी, एक पक्ष की ओर से गोली चलाई यह गोली झगड़ा देख रही युवक को लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसे उपचार के लिए भिंड लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे ग्वालियर रेफर कर दिया।

यह वारदात रात्रि 11 बजे की बताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बरासो थाना क्षेत्र के सिंदुरिया गांव में दो पड़ोसी पुरानी रंजिश को लेकर विवाद कर रहे थे। इसके बाद दोनों पक्षों में झगड़ा शुरू हो गया। गांव का यशवंत शाक्य उम्र 45 साल लड़ाई झगड़ा देखने के

लिए घर से पहुंच, तभी एक पक्ष की ओर से गोली चलाई गई। यह गोली सीधे यशवंत के पेट में जाकर लगी, जो बॉडी को चीरते हुए पार निकल गई।

इस घटना के बाद तत्काल परिवार के सदस्य उपचार के लिए जिला अस्पताल घायल को लेकर पहुंचे, यहां प्राथमिक उपचार कराए जाने के बाद घायल को ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। इधर, घटना की जानकारी पुलिस को लगी और पुलिस भी मौके पर पहुंची तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस घायल यशवंत के बयानों के आधार पर आगे की जांच शुरू करेगी।

ईओडब्ल्यू में पहुंची बहादुरपुर पंचायत के फर्जीबाड़े की शिकायत

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)- ईओडब्ल्यू में पहुंची बहादुरपुर पंचायत के फर्जीबाड़े की शिकायत विकास कार्यों के नाम पर हुए 50 लाख रुपए के फर्जीबाड़े की हुई शिकायत। समाजसेवी डॉ राजू त्यागी ने एसपी ईओडब्ल्यू से की सरपंच रमा वलराम शर्मा, सचिव संजय दुबे और उपयंत्री दिलीप शर्मा की शिकायत ।मनरेगा योजना और अन्य मदों से कराए गए विकास कार्यों की जांच कराने दिया आवेदन। समाजसेवी डॉ त्यागी ने फर्जीबाड़े की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर आर्थिक अपराध की एफआईआर दर्ज कराने दिया आवेदन। समाजसेवी डॉ राजू त्यागी का आरोप सरपंच, सचिव और उपयंत्री ने विकास कार्यों के नाम पर किया मनमाना भ्रष्टाचार।भोपाल और दिल्ली के बाद अब ग्वालियर ईओडब्ल्यू में पहुंची बहादुरपुर पंचायत के फर्जीबाड़े की शिकायत।

प्रकाश रूपी रोशनी का महापर्व दीपोत्सव आज, कलेक्टर ने सपत्नी दीपावली पर खरीदे दीपक

बाजार में दिखा लोगों का हुजुम, कपड़ा, सर्राफा, इलेक्ट्रानिक्स, मिष्ठान पर हुई खूब खरीदारी

शिवपुरी-पांच दिवसीय प्रकाश पर्व रोशनी का महापर्व दीपावाली का मुख्य त्यौहार आज नगर सहित जिले भर में बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर बाजार में दीप पर्व दीपावली पर बाजार में लोगों का अंबार उमड़ा और लोग अपनी जरूरतों के अनुसार बाजार में खरीदारी करते हुए नजर आए। बाजार में लोगों का हुजुम उमड़ा जिसमें अधिकांशत: कपड़ा, सर्राफा, इलेक्ट्रानिक्स, मिष्ठान पर हुई खूब खरीदारी हुई।

शहर के प्रमुख बाजार सर्राफा मार्केट, गांधी चौक, कोर्ट रोड़, सदर बाजार जैसे प्रमुख बाजार में लोगों की आवाजाही बनी रही। नगरवासियों के द्वारा त्यौहार को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है, दीपावली त्यौहार को देखते हुए एक ओर जहां कलेक्टर रविन्द्र चौधरी के द्वारा मिट्टी के दिए व अन्य सामग्री विक्रय करने वालों के लिए नपा के द्वारा कोई कर ना वसूलने के निर्देश दिए है साथ ही कलेक्टर ने स्वयं इन दुकानों से सामग्री खरीदते हुए

अन्य लोगों को भी इसी तरह की सामग्री खरीदने को लेकर आह्वान किया है। यही वजह है कि बाजार में मिट्टी के दिए और अन्य सामग्रीयों पर लोगों ने खूब खरीदारी की। इसके साथ ही हाथ ठेला वालों को भी प्रशासन ने छूट दी थी जिसमें पूरे कोर्ट रोड़, मिर्ची बाजार गली सहित चौराहे के आसपास हाथ ठेला चालकों से भी कोई कर नहीं वसूला गया और सभी ने अपना-अपना कारोबार मन मुताबिक किया। यहां कोर्ट रोड़, मिर्ची वाली गली आदि स्थानों पर हाथ ठेलों पर लोगों ने अपना रोजगार का साधन बनाया और जरूरी सामग्री का विक्रय किया। यहां हाथ ठेलों को लेकर व्यवस्था भी बनाई गई है जिसमें कोर्ट रोड़ पर दो पट्टियों के रूप में हाथ ठेलों पर लोग दीपावली की सामग्री बिक्री करते हुए नजर आए। घर-घर में यह दीपावली का त्यौहार मनाया जा रहा है जिसमें विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के साथ महालक्ष्मी पूजन होगा तत्पश्चात जोरदार आतिशबाजी व नए-नए कपड़ों में सज-धज कर लोग परिवार के साथ मिलकर दीपावली का यह पर्व मनाऐंगें। दीपावली के इस पर्व पर शहर के कपड़ा बाजार में भी खूब खरीदारी हुई तो वहीं दुपहिया वाहनों को भी शोरूम पर पहुंचकर कई ऑफर का लाभ दिलाते हुए विक्रय किया गया।

माँ लक्ष्मी के आह्वान को लेकर खरीदी गई घर को सजाने वाली सामग्री

माँ लक्ष्मी के आगमन को लेकर हर-घर में सुख-समृद्धि और माँ लक्ष्मी का वास हो इसे लेकर दीपावली के त्यौहार को देखते हुए अधिकांश बाजार में घर सजाने की सामग्री की जमकर खरीदी हुई। यहां घर सजाने की आकर्षक सामग्री के साथ-साथ लोग बाजार में अन्य खरीदी को लेकर दुकानों पर देखे गए। मिष्ठान की दुकानों पर लोगों का हुजूम आज दीपावली त्यौहार को लेकर उमड़ेगा और इसके साथ ही उपहार खरीदारी भी होगी ताकि कई लोग दीपावली पर एक-दूसरे को तोहफे के रूप में उपहारों का भी आदान-प्रदान कर सकें।

पुलिस-प्रशासन रहा मुस्तैद

दीपावली के अवसर पर भीड़ भाड़ वाले इलाके कोर्ट रोड़, माधवचौक चौराह, गुरूद्वारा, झांसी तिराहा, फिजीकल मार्ग सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर पुलिस-प्रशासन मुस्तैदी के साथ मौजूद रहा। जहां शहर के गांधी पार्क मैदान व सिद्धेश्वर टेक पर में आतिशबाजी बाजार सजा हुआ है यहां भी पुलिस-प्रशासन के द्वारा पर्याप्त सुरक्षा, पानी व अन्य व्यवस्थाऐं की गई है ताकि किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी पर तत्काल घटना पर नियंत्रण पाया जा सके।

रतलाम का महालक्ष्मी मन्दिर 1 करोड़ 47 लाख से अधिक के नोटों से सजा

भारत का एक मात्र मन्दिर जो है कुबेर का खजाना-

राकेश पाँचाल

रतलाम (चम्बल नवराष्ट्र) - माणक चौक स्थित इस मंदिर में नोटों और आभूषणों से सजावट की शुरुआत इस साल शरद पूर्णिमा से ही हो गई थी। मंदिर में भक्त निशुल्क सेवा भी देते हैं। कोई नोटों की लड़ियां बनाता है तो कोई नोट लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की एंट्री करता है। कुछ भक्त तो दिन-रात सजावट में जुटे रहते हैं। 20, 50, 100 और 500 रुपए के नए नोटों से मंदिर को सजाया जाता है।

मंदिर में सजावट के लिए रतलाम के अलावा आसपास के शहरों जैसे मंदसौर, नीमच, इंदौर, उज्जैन, नागदा, खंडवा, देवास और राजस्थान के कोटा से भी भक्त आते हैं और अपनी श्रद्धा अनुसार पैसे और गहने चढ़ाते हैं। कई भक्त तो एक साथ 5 लाख रुपए तक मंदिर में रख जाते हैं। श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए नोटों से मंदिर के लिए वंदनवार बनाया जाता है और महालक्ष्मी का आकर्षक श्रृंगार कर गर्भगृह को खजाने के रूप में सजाया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि लगभग 200 वर्ष पूर्व राजा रतन सिंह अपनी कुल देवी के रूप में माता लक्ष्मी का पूजन करते थे। राजा अपने राज्य के वैभव, निरोगी काया और प्रजा की खुशहाली के लिए पांच दिन तक अपनी सारी संपत्ति मंदिर में रखकर आराधना करते थे। तभी से ये परंपरा चली आ रही है। रतलाम के महालक्ष्मी मंदिर में माता के आठ रूप विराजमान हैं, अधी लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, लक्ष्मीनारायण, धन लक्ष्मी, विजयालक्ष्मी, वीर लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी और ऐश्वर्य लक्ष्मी। महालक्ष्मी के दरबार में सजने वाले कुबेर के खजाने की सुरक्षा के लिए 4 गार्ड तैनात रहते हैं। सीसीटीवी से भी निगरानी की जाती है।

दुल्हन की तरह सजा महाकालेश्वर मंदिर, रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाया महाकाल लोक

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र) । विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में इस बार दिवाली के मौके पर विशेष विद्युत सज्जा की गई है, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गई है। मंदिर के चारों ओर लगे रंग-बिरंगे एलईडी लाइट्स और विशेष प्रकाश व्यवस्था ने इसे एक अद्भुत रूप दिया है।

इस दिवाली, श्रद्धालु दूर-दूर से इस दृश्य का आनंद लेने आ रहे हैं। ड्रोन की मदद से इस भव्य सज्जा को देखने का अनुभव और भी रोमांचक हो गया है। लोगों का कहना है कि इस रोशनी में महाकालेश्वर की भक्ति का एक नया अनुभव मिलता है।

मंदिर प्रशासन ने इस साल की सज्जा को और भी खास बनाने के लिए कई नए आइडियाज शामिल किए हैं, जिससे यह दृश्य हर किसी को मंत्रमुग्ध कर रहा है। लोग न केवल मंदिर की दिव्यता का अनुभव कर रहे हैं।

उज्जैन में क्रासिंग तोड़कर डिवाइडर से टकराई कार,महिला की मौत, पांच घायल

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र) । उज्जैन में बीती रात बड़नगर रोड पर मोहनपुरा रेलवे क्रासिंग पर दो कार की आपस में टक्कर में एक महिला की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। जिस समय दुर्घटना हुई उस समय रेलवे फाटक बंद था। गनीमत रही की टक्कर के बाद कार रेल से नहीं टकराई।

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी परिवार अपनी बेटी को लेने रतलाम गया था। वापस लौटते समय मंगलवार रात करीब 9 बजे मोहनपुरा रेलवे क्रासिंग पर फाटक बंद होने के चलते उनकी कार खड़ी थी। इस दौरान पीछे से आई कार क्रमांक MP13 5777 ने भोपाल की कार को पीछे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे गाडी में सवार शिवराज, निकिता, चेतन, कांताबाई और आशा बाई सहित दो बच्चे घायल हो गए। जिन्हें उज्जैन के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान आशाबाई (40) की मौत हो गई।

स्थानीय निवासी मुकेश सारवान ने बताया कि दोनों कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टकराने के बाद आगे वाली कार पटरी और रेलवे क्रासिंग को तोड़कर डिवाइडर से टकरा गई। अन्य लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल भिजवाय। घटना के कुछ देर बाद ही ट्रेन क्रास हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने बताया कि टक्कर मारने वाली कार में भी चार लोग सवार थे। उसमें से एक घायल हुआ है। बाकी तीन अन्य उसे छोड़कर भाग निकले हैं। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

मिल रही धमकियों को लेकर अजाक थाने पहुंचे पत्रकार बलराम देसाई

रोहित चौहान

देपालपुर(चम्बल नवराष्ट्र) पत्रकार बलराम देसाई पर देपालपुर में हुए जानलेवा हमले को लेकर घायल अवस्था में ही आ.जा.क थाने के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सांवेर भदौरिया जी से मुलाकात की मुलाकात के बाद उन्होंने आश्वासन दिया की उचित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हमले में बाल बाल बचे पत्रकार देसाई को आज भी कई तरह से धमकियां दी जा रही है, देपालपुर पुलिस की बेरुखी और अपराधियों बढते हौसलों से उनकी जान को खतरा महसूस होते रहता है। वजह है कि आरोपी और हमलावर बेखौफ घूम रहे हैं ,पुलिस द्वारा मामले दर्ज करने के बाद मुस्तादी से कार्रवाई नहीं की जाती है, तो इस बात की संभावनाएं अधिक है कि भविष्य में इन्हें न्याय नहीं मिल पाएगा।

दिवाली पर गजलक्ष्मी मंदिर में सुबह चार घंटे होगा दुग्धाभिषेक, दोपहर 12 बजे होगी आरती

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र)। उज्जैन की प्राचीन मां गजलक्ष्मी मंदिर में दिवाली के मौके पर गुरुवार सुबह 7 से 11बजे तक मां लक्ष्मी का दुग्धाभिषेक होगा। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दुग्धाभिषेक के लिए पहुंचते है। सुबह दुग्धाभिषेक के बाद दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में मां लक्ष्मी की आरती होगी। माता का श्रृंगार के बाद शाम 4 बजे से रात 2 बजे तक महा नैवेद्य लगाया जाएगा। रात्रि में ही आरती होगी।

मान्यता है कि गज लक्ष्मी का मंदिर करीब दो हजार साल पुराना है। यहां राजा विक्रमादित्य राजलक्ष्मी के रूप में इनकी पूजा करते थे। पुराने शहर के नई पेठ स्थित मां गजलक्ष्मी मंदिर में गुरुवार को दीपावली पर्व के अवसर पर सुबह से ही मां लक्ष्मी का दूध से अभिषेक करने के लिए श्रद्धालु मंदिर पहुंचेंगे।

मंदिर के पुजारी अवधेश शर्मा ने बताया कि सुबह 7 से 11 बजे तक श्रद्धालु अपने हाथों से मां लक्ष्मी का दुग्धाभिषेक करेंगे। शाम 4 बजे से माता लक्ष्मी का सोलह श्रृंगार कर महा नैवेद्य का भोग अर्पित होगा। दीपावली की रात 2 बजे तक माता के दर्शन होगें। इसके बाद सुहाग पंडवा के पूजन की तैयारी शुरू होगी। लक्ष्मी पूजन के बाद संध्या से देर रात्रि तक श्रद्धालु लक्ष्मी माता के दर्शन के लिए पहुंचते है। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां पर कमल का फूल चढ़ाकर मनोकामना मांगते है।

गज लक्ष्मी के साथ विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा भी विराजित

मंदिर के पुजारी अवधेश शर्मा ने बताया कि मंदिर में मां गजलक्ष्मी के साथ ही भगवान विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा भी है। यह प्रतिमा अति प्राचीन है। इस प्रतिमा में भगवान विष्णु के छोटे-छोटे रूप में 24 अवतारों का वर्णन है। मंदिर आने वाले लोग भगवान विष्णु के भी दर्शन करते है। मां गजलक्ष्मी मंदिर दो हजार साल पुराना है। इस मंदिर में मां लक्ष्मी सफेद हाथी पर बैठी है। देश के किसी मंदिर में ऐसा नही है। माना जाता है कि माता गजलक्ष्मी को विक्रमादित्य अपनी राजलक्ष्मी मानकर पूजन करते थे।

निगम में आया नया मोबाइल कोर्ट वाहन

इंदौर (चम्बल नवराष्ट्र)। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाली मोबाइल कोर्ट के लिए नई गाड़ी आ गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में जन स्वास्थ्य की दृष्टि से नागरिकों को स्वच्छ और शुद्ध खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने, मिलावट और गंदगी पर नियंत्रण, अतिक्रमण तथा बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों के खिलाफ विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (म्यूनिसिपल मजिस्ट्रेट) के निर्देशन में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रिमूवल और मार्केट टीम के साथ मोबाइल कोर्ट लगाई जाती है।

विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (म्यूनिसिपल मजिस्ट्रेट) के निर्देशन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रिमूवल और मार्केट टीम के साथ मोबाइल कोर्ट के सुचारू संचालन के लिए नगर निगम इंदौर द्वारा नया मोबाइल कोर्ट वाहन लाया गया है, जिसका उपयोग माननीय न्यायधीश की उपस्थिति में आयोजित मोबाइल कोर्ट की कार्यवाही में किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ खरीदारी करने पहुंचे सांसद सोलंकी

देवास (चम्बल नवराष्ट्र)। देवास-शाजापुर सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दीपावली की खरीदारी करने निकले। उन्होंने फुटपाथ विक्रेताओं से दिवाली की पूजन सामग्री जैसे परमल, दीपक एवं फूल माला समेत अन्य सामान खरीदे। इस दौरान उन्होंने छोटी दुकानों पर डिजिटल पेमेंट के लिए क्यूआर कोड देखा तो व्यापारियों की प्रशंसा भी की। सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। हमारा भी यही उद्देश्य है जो लोग स्थानीय हैं और खुद उत्पाद बनाकर बेचते हैं उनकी दुकानदारी ठीक से चले और उनके उत्पाद अधिक से अधिक बिकें।

उन्होंने कहा कि सभी को इसी उद्देश्य से वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे इनकी भी दिवाली अच्छी तरह से हो सके। सनातन व भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए काम करें। हमें उन लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसीलिए मैं आज यहां सनातन धर्म के प्रहरियों के पास खरीदारी करने के लिए आया था। छोटा-छोटा सामान दीया-बाती, परमल व फूलमाला माता की मूर्ति इस तरह का सामान मैने यहां पर खरीदा है।

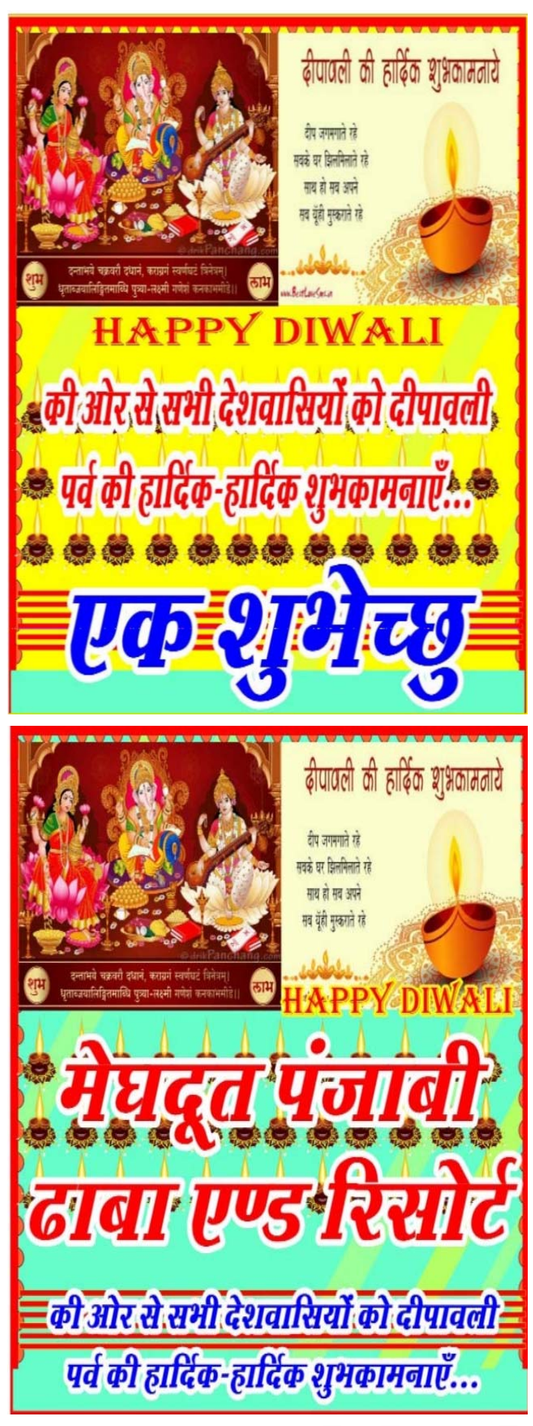

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया रतलाम शासकीय नर्सिंग कॉलेज का वर्चुअली भूमिपूजन

एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप की उपस्थिति में शिलालेख का अनावरण-

राकेश पाँचाल

रतलाम (चम्बल नवराष्ट्र) - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्चुअली रतलाम के शासकीय नर्सिंग कालेज निर्माण का भूमिपूजन किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी वर्चुअली उपस्थित थे। रतलाम में डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मध्यम मंत्री चेतन्य काश्यप की उपस्थिति में भूमिपूजन शिलालेख का अनावरण हुआ। प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा-सुना गया। इस दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को आयुष्मान योजना में सम्मिलित किए जाने तथा यू विन पोर्टल भी लॉन्च किया गया।

कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। जिस प्रकार कोविड के समय स्वास्थ्य और चिकित्सा के अधिकारी, कर्मचारियों ने अपने पूर्ण समर्पण और सेवा भाव के साथ आदर्श स्थापित किए हैं, उसी क्रम में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी सेवा भाव से आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामर ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि रतलाम में 60 सीट क्षमता के नर्सिंग कॉलेज का निर्माण किया जाएगा।

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल आधारित यू विन पोर्टल की लांचिंग की गई। सीएमएचओ डॉ. चंदेलकर ने बताया कि अब लोग अपने 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों का टीकाकरण अपने स्वयं के मोबाइल से ऑनलाइन स्पॉट बुकिंग करके करवा सकते है। टीकाकरण करते ही हितग्राही अपना स्वयं के बच्चे का टीकाकरण प्रमाण पत्र ऑनलाइन जनरेट कर सकते हैं। अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को डिजिटल टीकाकरण प्रमाण पत्र कार्यक्रम में प्रदान किए गए।

इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. लीला जोशी, महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, कलेक्टर राजेश बाथम, डीन डॉ. अनीता मुथा, शैलेंद्र डागा, निर्मल कटारिया, बजरंग पुरोहित, मनोहर पोरवाल, गोविंद काकानी, हेमंत राहोरी, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी, कृष्ण कुमार सोनी, विनोद यादव, जनपद अध्यक्ष साधना जायसवाल, विप्लव जैन, राजेश सोलंकी, नीरज बरमेचा, सीएमएचओ डॉ. आनंद चंदेलकर, सिविल सर्जन डॉ. एम.एस. सागर, अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रदीप मिश्रा, डॉ. स्वर्ण कांता लिखार, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. विनय शर्मा, डॉ. पवन शर्मा, डॉ. प्रफुल्ल सोनगरा, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. ऋषभ सिंह, डॉ. रवि दिवेकर, डीपीएम डॉ. अजहर अली, एपीएम हीना मकरानी, डॉ. संकल्प श्रीवास्तव, आशीष दशोत्तर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पीएसएम विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ध्रुवेंद्र पांडे किया।

आज का बाजार पारंपरिक मिट्टी के दिए एवं माता लक्ष्मी की मूर्तियों के नाम रहा

पवन वर्मा

आष्टा (चम्बल नवराष्ट्र)। नगर में बनने वाले सुंदर कलाकृतियों से सुसज्जित मिट्टी के दिए एवं माता लक्ष्मी की हस्तनिर्मित मूर्तिया बहुत प्रसिद्ध है, स्थानीय बाजार में तो इनकी अच्छी मांग रहती ही है साथ ही आसपास के क्षेत्र में भी बिक्री के लिए इनकी बहुताय में सप्लाई होती है।

नगर के मध्य में कुम्हार मोहल्ला के नाम से इन कलाकारों की बस्ती भी है जो सालों से अपनी हस्तकला से आकर्षक दिए, मूर्तिया एवं अन्य मिट्टी के खिलौने बनाते आ रहे है।

आज इन्हीं कलाकारों के मध्य नपा प्रतिनिधि राय सिंह मेवाड़ा भी खरीदी करते नजर, हमारे प्रतिनिधि ने जब इनसे चर्चा की तो उन्होंने बताया कि में सालों से इन्हीं कलाकारों से खरीदी करता आया हूं और अपने साथियों को भी इन्हीं लोकल कलाकारों से खरीदी के लिए प्रोत्साहित करता हूं, श्री सिंह ने आगे बताया कि दीपावली के चलते इस बार नपा ने तहबाजारी शुल्क भी नहीं वसूला है एवं आगामी 3 दिनों तक तहबाजारी शुल्क मुक्त रहेगी, पाठकों को बताते चले कि तहबाजारी वो शुल्क होता है जो भारत में स्थानीय प्रशासन रेहड़ी पटरी एवं ठेले वालों से रसीद के माध्यम से वसूलता है, परन्तु इस बार आष्टा नपा ने सभी छोटे दुकानदारों से यह शुल्क न वसूलते हुए उन्हें दिवाली पर नि:शुल्क दुकान लगाने दी है।

आतिशबाजी एवं सजावटी समानों की दुकानों पर भी खासी भीड़ रही बड़ा बाजार, बुधवारा महाराणा प्रताप चौराहे पर सजावटी सामान की दुकानों पर भी अच्छी ग्राहकी रही, सुभाष मैदान पर आतिशबाजी के लिए अस्थाई दुकानों का आवंटन किया था जहां दर्जनों दुकान लगी है, आज दिन भर सभी दुकानों पर भीड़ छाई रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विनीत गुप्ता, एम.आई.आफसेट वर्क्स, 91, रशीदिया स्कूल के पास बरखेड़ी, भोपाल से मुद्रित तथा सीओ मो. नफीस कुरैशी 91, रशीदिया स्कूल के पास, बरखेड़ी, भोपाल-462008 से प्रकाशित।
सम्पादक: विनीत गुप्ता मो. 8889307028, कार्यकारी सम्पादक महेन्द्र राय। RNI No. MPHIN/2018/77427 (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)